



04 - न्यायपालिका
संविधान न बने



05 - साथी को चुनना और
साथ रहना सैवधानिक
अधिकार

A Daily News Magazine

इंदौर
सोमवार, 6 अप्रैल, 2026



इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 11 अंक 183, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रु. 2



06 - 'संकट मोचन
समारोह' में आज से
बहेगी संगीत की गंगा



07 - उपाजन से पहले
गोदामो में गेहूँ
भंडारण के सत्यापन...

संवाद

subhasaverenews@gmail.com
facebook.com/subhasaverenews
www.subhasavere.news
twitter.com/subhasaverenews

शहर की सुबह

जब प्रत्येक पौधा
जहां भी वह उगा है
और जहां तक
धसी हुई है उसकी जड़ें
वह जमीन उसकी अपनी होगी
उसकी अपनी ठसक होगी
हर शाख की
अपनी लचक होगी

हरक फूल का
अपना रंग होगा
जिस पर रिझंगी तितलियां
और कलियों को देख
झूम उठेगा भौरा
उसकी आजाद खयाली का
ध्यान रख हवा भी देगी
उसे और हवा

उसे उसकी स्वतंत्रता के
छन्न होने का
बोध नहीं होगा
और गंध उड़ा ले जाएगी
दूर-दूर तक उसकी कीर्ति

यकीन मानिए जब ऐसा होगा
तब सचमुच वसंत होगा
इस पृथ्वी पर
वसंत होगा, नागरिकों का
मौलिक अधिकार
और संविधान का मूल भाव

फिलहाल ऐसा वसंत

कहीं है...?

इस पृथ्वी पर...!

- अरुण सातले

प्रसंगवश

तमिलनाडु विस चुनाव : क्यों बन सकती है त्रिशंकु विधानसभा

आर राजागोपालन

तमिलनाडु में चुनाव प्रचार तेज हो गया है। 23 अप्रैल को मतदान होगा और 234 सीटों वाली विधानसभा के नतीजे 4 मई को घोषित किए जाएंगे। 2026 के नतीजे एक नया राजनीतिक सरप्राइज और अप्रत्याशित मोड़ ला सकते हैं। लगभग 6 करोड़ वोट नए प्रतिनिधियों का चुनाव करेंगे। 21 राजनीतिक पार्टियों ने करीब 2,200 उम्मीदवार उतारे हैं। कई तरह के समीकरण, नया जनादेश और नए चेहरे 5 मई से अगले पांच साल के लिए विधायक बनेंगे।

पिछले 70 साल से राज्य में बारी-बारी से डीएमके या एआईएडीएमके की सरकार बनती रही है। 2026 के चुनाव में पहली बार डीएमके 234 में से 164 सीटों पर चुनाव लड़ रही है, जबकि एआईएडीएमके ने 167 उम्मीदवार उतारे हैं। क्या यह सहयोगियों को ज्यादा सीट देने का संकेत है, या फिर उनके प्रभाव में कमजोरी दिखाता है?

दोनों द्रविड़ पार्टियों के गठबंधन में एक-एक राष्ट्रीय पार्टी शामिल है। दोनों ने अपनी नजर में 'कमजोर' सीटें सहयोगियों को दी हैं- डीएमके ने कांग्रेस को 28 सीटें दी हैं, जबकि एआईएडीएमके ने बीजेपी को 27 सीटें दी हैं। इससे भी त्रिशंकु विधानसभा की संभावना का संकेत मिलता है।

डीएमके-कांग्रेस गठबंधन में राहुल गांधी अलग-थलग नजर आ रहे हैं। अंदर से वह विजय की टीवीके के साथ गठबंधन चाहते थे, लेकिन विजय अकेले चुनाव लड़ रहे हैं। उनकी रैलियों में बहुत बड़ी भीड़ जुटती है। तमिलनाडु में लगभग हर पार्टी सीट बंटवारे को लेकर अंदरूनी विवाद और विरोध का सामना कर रही है। वीसीके के संस्थापक-अध्यक्ष थोल तिरुमावलवन ने कहा कि अगर डीएमके को

बहुमत भी मिल जाता है, तब भी बीजेपी उसे तोड़ने की कोशिश कर सकती है। इस बयान से सहयोगी दलों में चिंता बढ़ गई है। डीएमके को सत्ता विरोधी लहर का सामना भी करना पड़ रहा है। एमके स्टालिन छह दलों वाले सेवयुलर प्रोग्रेसिव अलायंस (SPA) का नेतृत्व कर रहे हैं, लेकिन कई सहयोगी डीएमके द्वारा कांग्रेस को 28 और प्रेमलता की DMDK को 10 सीटें देने से नाराज हैं। वीसीके, एमडीएमके और दो वामपंथी दलों में भी नाराजगी है क्योंकि राज्यसभा सीटें कांग्रेस और डीएमके को दी गईं। प्रेमलता की डीएमके की अचानक एंटी से रिसर्तों में और तनाव बढ़ गया है।

कांग्रेस में भी असंतोष दिख रहा है। विरुधुनगर से सांसद मणिकम टैगोर ने तमिलनाडु के लिए कांग्रेस चुनाव प्रबंधन और समन्वय समिति के अध्यक्ष पद से इस्तीफा देते हुए मल्लिकार्जुन खड़गे को पत्र भेजा। कहर से सांसद एस जोधिमणि ने सार्वजनिक रूप से नेतृत्व की आलोचना करते हुए कहा कि असली कांग्रेस कार्यकर्ताओं के काम 'बचे जा रहे हैं। बीजेपी में भी अंदरूनी समस्याएं हैं। पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष के अन्नामलाई ने सीट बंटवारे को लेकर चुनाव लड़ने से पीछे हटने की बात कही थी, कुछ रिपोर्टों में कहा गया कि उन्हें टिकट नहीं मिला। राज्य इकाई ने पीयूष गोलय से उन्हें मनाने को कहा। अब लगता है कि समझौता हो गया है और अन्नामलाई केंद्रीय नेतृत्व के फैसले को मानने के लिए तैयार हो गए हैं।

एआईएडीएमके, विजय की टीवीके और सीमैन की एनटीके की रैलियों में बहुत बड़ी भीड़ जुट रही है। डीएमके नेताओं को मिला-जुला समर्थन मिल रहा है और एमके स्टालिन को सबसे ज्यादा सत्ता विरोधी माहौल का सामना करना पड़ रहा है। चुनाव का एक बड़ा

मुद्दा ड्रम का खतरा है। तमिल न्यूज चैनल, जो पहले डीएमके की तारीफ करते थे, अब सभी पार्टियों को ज्यादा बराबरी से कवर कर रहे हैं। फर्जी एआई से बने वीडियो भी भ्रम पैदा कर रहे हैं।

डीएमके और एआईएडीएमके की तमिलनाडु के हर गांव में मजबूत पकड़ है। बीजेपी और कांग्रेस जैसी राष्ट्रीय पार्टियों की जमीनी मौजूदगी इतनी मजबूत नहीं है। तमिल सिनेमा के 'सुपरहीरो' जोसेफ विजय के नेतृत्व में नई पार्टी टीवीके (तमिल वेगो कडगम) के चुनाव मैदान में आने से पहली बार तमिलनाडु में चार तरफा मुकाबला देखने को मिल रहा है।

विजय की एंटी से राज्य में ईसाई समुदाय को राजनीतिक फायदा मिल सकता है। अल्पसंख्यक वोट बैंक अब दोधारी तलवार बन गया है। पहली बार इन वोटों का कुछ हिस्सा डीएमके से टीवीके की ओर जा सकता है। 1990 के दशक से विजय के करीब 5 हजार फैन क्लब हैं।

नरेंद्र मोदी और अमित शाह की जोड़ी के कारण तमिलनाडु में बीजेपी को बहुत मिल सकती है, जिसका फायदा एआईएडीएमके नेता एडुपाडी के पलानीस्वामी को हो सकता है। जयललिता के समय एआईएडीएमके के घोषणा पत्र में राम मंदिर का मुद्दा भी था। जयललिता को दक्षिणपंथी सोच के करीब माना जाता था और उन्होंने मोदी के गुजरात मुख्यमंत्री बनने पर शपथ ग्रहण समारोह में हिस्सा लिया था। बीजेपी के कमल चिन्ह की तमिलनाडु में कुछ पहचान है और पिछली विधानसभा में उसके चार विधायक थे।

कांग्रेस एक राष्ट्रीय और राष्ट्रवादी सोच वाली पार्टी बनी हुई है। डीएमके के साथ उसका गठबंधन धर्मनिरपेक्ष वोटों को मजबूत करता है। राहुल गांधी ने जनवरी में विजय की फिल्म 'जना नायकन' में देरी को लेकर केंद्र

सरकार की आलोचना की और इसे 'तमिल संस्कृति पर हमला' बताया। इससे कांग्रेस और टीवीके के करीब आने की चर्चा हुई। डीएमके ने सीट बंटवारे की बातचीत के दौरान इस बड़े बदलाव को रोक लिया।

सीमैन की 'नाम तमिलर काची' (एनटीके) अकेले चुनाव लड़ रही है। उसका लगभग 8 प्रतिशत वोट शेयर माना जाता है, जो तमिल राष्ट्रवाद के समर्थकों और LTTE नेता प्रभाकराव व तमिल इलम समर्थकों से आता है। डीएमके के चुनावी भाषणों में बीजेपी और मोदी-अमित शाह पर ज्यादा हमला किया जा रहा है। डीएमके की राजनीति अल्पसंख्यक वोटों को मजबूत करने की है, लेकिन विजय ईसाई और मुस्लिम वोट अपनी ओर खींच सकते हैं।

चुनाव में फंडिंग और देर रात पैसे बांटने जैसे बाहरी फैक्टर भी असर डाल रहे हैं। पहली बार 'लॉटरी किंग' सेंटियागो मार्टिन द्वारा कई पार्टियों को फंड देने की खबर है। चुनावी घोषणा पत्र अब 'मजाक' बनते जा रहे हैं, जिनमें फ्री फ्रिज, लैपटॉप, ग्राइंडर, व्हीलचेयर, छात्रों के लिए वाईफाई और पुराने घरेलू सामान बदलने के लिए 8 हजार रुपये का कूपन जैसे वादे किए जा रहे हैं। पार्टियां फ्री सुविधाओं के मामले में एक-दूसरे से आगे निकलने की कोशिश कर रही हैं। पीएमके नेता अंबुमणि रामदास ने कहा कि 517 वादों में से 63 वादे 2021 के चुनाव से ही दोबारा नए नाम से लाए गए हैं।

चुनाव में जाति समीकरण भी अहम भूमिका निभाएंगे। अल्पसंख्यक वोट बंटने की स्थिति में कोनार, मुक्कुलथोर, मुथुरैयार और अनुसूचित जाति (एससी) समुदाय निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं। कई सीटों पर जाति का अंतर एक हजार से भी कम रह सकता है। (दि प्रिंट हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

बंगाल में टीएमसी के पापों का घड़ा अब भर चुका है

पीएम बोले-चुनाव के बाद चुन-चुनकर हिसाब करेंगे

कोलकाता (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को पश्चिम बंगाल के कूचबिहार में चुनावी सभा में कहा कि राज्य में भ्रष्टाचार, घुसपैठ और महिलाओं के खिलाफ अत्याचार ने जनता को भय और असुरक्षा के माहौल में धकेल दिया है। पीएम मोदी ने कहा- टीएमसी के पापों का घड़ा भर चुका है और अब जनता बदलाव चाहती है। चुनाव के बाद भ्रष्टाचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी, चुन-चुनकर हिसाब लिया जाएगा और जनता का लूटा हुआ पैसा वापस कराया जाएगा। प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया कि टीएमसी शासन ने लोकतंत्र कमजोर हुआ है। संवैधानिक संस्थाओं की अनदेखी की जा रही है। उन्होंने संदेशखाली जैसी घटनाओं का जिक्र करते हुए महिलाओं की सुरक्षा को बड़ा मुद्दा बताया। एक ओर टीएमसी के करप्शन का भय है तो दूसरी तरफ विकास को रफ्तार देने वाली भाजपा का भरोसा है।



मोदी बोले-ये लोग बंगाल में हिंदुओं का रहना मुश्किल कर देंगे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि तुष्टिकरण के इस खेल में बंगाल की महान पहचान को बदला जा रहा है। अभी टीएमसी ने अपना घोषणा पत्र जारी किया है, लेकिन उसका नाम उन्होंने बांग्ला भाषा में नहीं रखा, बल्कि उसे इश्तेहार कहा जा रहा है। सोचिए कि कैसे बंगाल की पहचान को बदल रहे हैं। आप जानते हैं कि इश्तेहार का इस्तेमाल बंगाल में किसलिए हुआ था। यहां हिंदुओं का रहना मुश्किल होगा।

सधन रेस्क्यू ऑपरेशन पूर्ण, हादसे की होगी निष्पक्ष जांच राज्य सरकार प्रभावित परिजन के साथ : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कल कोतमा, अनुपपुर में हुए दुखद हादसे में काल-कवलित नागरिकों के परिजन को मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान से 4-4 लाख, संबल योजना के अंतर्गत 4-4 लाख और रेडक्रॉस से 1-1 लाख रुपये की चिकित्सकों की टीम उनकी निगरानी कर रही है। अन्य घायलों का उपचार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोतमा में जारी है। शनिवार शाम से प्रारंभ हुआ रेस्क्यू ऑपरेशन आज रविवार दोपहर तक जारी रहा। रेस्क्यू कार्य में एनडीआरएफ, स्थानीय पुलिस, प्रशासन तथा एसईसीएल की टीमों ने आधुनिक मशीनों एवं डॉग स्कॉड की मदद से मलबे के एक-एक हिस्से की गहन तलाशी ली। रेस्क्यू टीम ने मलबे से 3 व्यक्तियों को सुरक्षित बाहर निकालकर तत्काल उपचार उपलब्ध कराया जबकि 3 अन्य व्यक्तियों के शव बरामद किए गए। मृतकों की पहचान



हनुमान दीन यादव, रामकृपाल यादव और एक अन्य स्थानीय निवासी के रूप में हुई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के निर्देशानुसार जिले के प्रभारी मंत्री श्री दिलीप अहिरवार और कुटीर एवं ग्रामोद्योग मंत्री श्री दिलीप जायसवाल पूरी रात घटनास्थल पर उपस्थित रहकर राहत एवं बचाव कार्यों का नेतृत्व करते रहे। प्रभारी मंत्री श्री दिलीप अहिरवार ने बताया कि इस गंभीर हादसे की निष्पक्ष जांच कराई जाएगी। कलेक्टर श्री हर्षल पंचोली ने रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटी एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, एसईसीएल की टीमों, पुलिस बल एवं सहयोग करने वाले स्थानीय नागरिकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अनुपपुर जिले के कोतमा क्षेत्र में एक लॉज भवन ध्वस्त होने की दुखद घटना के संबंध में अधिकारियों को निर्देशित किया था कि राहत एवं बचाव कार्यों में कोई कमी न रहे और प्रभावित परिवारों को त्वरित सहायता उपलब्ध कराई जाए। उल्लेखनीय है कि इस दुखद घटना में 3 लोगों की मृत्यु हो गई, जबकि 3 अन्य घायल हो गए थे। घायलों में से गंभीर रूप से घायल व्यक्तियों को बेहतर उपचार के लिए शहडोल मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है, जहाँ विशेषज्ञ

मुझे चुनाव आयोग पर विश्वास, निष्पक्ष चुनाव होंगे

मोदी ने कहा कि इस बार का चुनाव आपके बच्चों का भविष्य तय करने वाला है। इसलिए आप बच्चों के भविष्य के लिए वोट दीजिए। आप अपना वोट अपने परिवार के लिए दीजिए। बीजेपी को वोट देकर परिवर्तन पर मुहर लगाइए। मुझे चुनाव आयोग पर विश्वास है कि इस बार निष्पक्ष चुनाव होगा।

तृणमूल के शासन काल में बंगाल की डेमोक्रेसी में भयंकर बदलाव आया है। इन घुसपैठियों को सीधा टीएमसी का समर्थन मिलता है। इसलिए भारत सरकार घुसपैठियों को पहचान कर उन्हें बाहर निकालने का काम कर रही है। दुनिया के बड़े-बड़े देश अपने देश घुसपैठियों को बाहर निकाल रहे हैं। लेकिन बंगाल में घुसपैठियों की बचाने की कोशिश होती है। इसलिए टीएमसी सरकार एसआईआर का विरोध करती है। टीएमसी के अन्याय की लिस्ट बहुत लंबी है। लेकिन अब यह विकास का केंद्र बनेगा।

36 घंटे में दुश्मन के बीच से पायलट को सुरक्षित निकाला

ईरान में सफल रहा अमरीका का 'मिशन पायलट' अभियान

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के एक एफ-15 फाइटर जेट को ईरान के ऊपर मार गिराए जाने के 36 घंटे बाद उसके दोनों पायलट को अमेरिकी स्पेशल फोर्स ने बचा लिया है। शनिवार को स्पेशल कमांडो यूनिट ने दर्जनों लड़ाकू विमानों के साथ ईरान में ऑपरेशन चलाया। अमेरिकी लड़ाकू विमानों ने ईरानी फोर्स को उस इलाके तक पहुंचने से रोकने के लिए हमले भी किए। इस दौरान भारी गोलीबारी हुई, लेकिन अंत में अमेरिकी टीम पायलट को सुरक्षित निकालने में सफल रही और सभी सैनिक ईरान से बाहर आ गए। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने इसे अमेरिकी इतिहास का सबसे साहसी सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन करार दिया है।



पेरशूट से उतरने के बाद घायल हुआ था अफसर- अमेरिकी वेबसाइट एक्सिसोस ने 3 अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से बताया कि ईरान ने शुक्रवार को एफ-15 विमान गिरा दिया था। उसमें दो लोग थे। एक मेजर पायलट और एक एयरमैन यानी वेपन सिस्टम ऑफिसर (जो हथियारों को ऑपरेट करता है)।

सीआईए ने अफवाह फैलाकर ईरान को भटकया

अमेरिका और ईरान एयरमैन को ढूढ़ रहे थे। ईरान की रेवोल्यूशनरी गार्ड भी उसे पकड़ने के लिए वहां पहुंच गई थी। एयरमैन को ढूढ़ना बहुत मुश्किल था। इसके लिए सीआईए ने एक चाल चली। उन्होंने ईरान के अंदर गलत जानकारी फैलाई कि अमेरिकी सेना उसे पहले ही ढूढ़ चुकी है और उसे निकालने की तैयारी कर रही है। इससे ईरान को खोज की दिशा भटक गई।

दिल्ली में सरकारी दवाओं के रैकेट का भंडाफोड़

पुलिस ने जब्त किया 70 लाख रुपए का अवैध स्टॉक

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने सरकारी अस्पतालों में मुफ्त वितरण के लिए रखी गई सरकारी दवाओं की हेराफेरी और बिज्जी में शामिल एक संगठित गिरोह का भंडाफोड़ किया है। क्राइम ब्रांच ने इस मामले में पांच लोगों को गिरफ्तार किया और लगभग 70 लाख रुपए की दवाएं और परिवहन में इस्तेमाल किए गए दो गाड़ियां बरामद किए। पुलिस के अनुसार, यह ऑपरेशन क्राइम ब्रांच की एनआर-11 टीम की ओर से एसीपी गिरीश कौशिक की देखरेख में और इंस्पेक्टर नीरज शर्मा के नेतृत्व में सब-इंस्पेक्टर



प्रीतम चंद की ओर से जुटाई गई विशिष्ट सूचनाओं के आधार पर किया गया था। आरोपियों की पहचान 53 वर्षीय नीरज कुमार, 47 वर्षीय सुशील कुमार के तौर पर हुई है। दोनों उत्तर प्रदेश से सहारनपुर के रहने वाले हैं। वहीं

48 वर्षीय एक अन्य आरोपी लक्ष्मण मुखिया दिल्ली का रहने वाला है। इन्हें 2 अप्रैल को तीस हजारी के राजेंद्र बाजार के पास महिंद्रा चौपियन टेम्पो और बलेनो कार में दवाओं की एक बड़ी खेप ले जाते समय पकड़ा गया था।

हम कोलकाता तक पहुंचेंगे और उनको घर में घुसकर मारेंगे

पाकिस्तान की भारत को धमकी-अगला संघर्ष सीमा तक नहीं रहेगा



इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने शनिवार को सियालकोट में पत्रकारों से बात करते हुए भारत को धमकी दी है। उन्होंने कहा कि अगर भारत कोई फॉल्स फ्लैग ऑपरेशन (छिपकर हमला) करता है, तो इस बार संघर्ष सिर्फ सीमा तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि कोलकाता तक पहुंच सकता है। ख्वाजा आसिफ ने दावा किया कि भारत अपने लोगों या हिरासत में बंद पाकिस्तानियों का इस्तेमाल करके झूठा झामा रचने की योजना बना रहा है। पिछले साल की तरह इस बार भारत को और ज्यादा शर्मिंदगी का सामना करना पड़ेगा। आसिफ ने आगे ये भी कहा कि शवों को कहीं रखकर पाकिस्तान पर आतंकवाद का आरोप लगाया जा सकता है, लेकिन उन्होंने (भारत ने) इस दावे के लिए कोई सबूत नहीं दिया। ख्वाजा आसिफ के इस बयान पर भारत की ओर से अभी कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। हालांकि, भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने केरल में एक कार्यक्रम में पाकिस्तान को साफ चेतावनी दी थी।

रैकेट में कौन-कौन था शामिल, पुलिस ने सब बताया

एक अधिकारी ने बताया कि बरामद की गई सभी दवाएं और वाहन मामले की संपत्ति के रूप में जब्त कर लिए गए हैं और कानून के अनुसार क्राइम ब्रांच पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि इस रैकेट में अस्पताल के कर्मचारियों, दवापार्टियों और वितरकों से बनी एक सुव्यवस्थित आपूर्ति शृंखला शामिल थी, जिसके माध्यम से सरकारी अस्पतालों में मरीजों को मुफ्त में वितरित की जाने वाली दवाओं को डायवर्ट किया जा रहा था। पुलिस ने बताया कि अन्य सहयोगियों की पहचान करने, वित्तीय लेनदेन का पता लगाने और नेटवर्क के संपूर्ण तौर-तरीकों को उजागर करने के प्रयास जारी हैं।

संक्षिप्त समाचार

स्कूल बसों का लंदन जैसा हाईटेक नेटवर्क तेलंगाना में

- एक रूट के कई स्कूलों के लिए साझा बस, खास एप से जुड़ेगे पेरेंट्स, स्कूल-ऑपरेटर

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद का हाईटेक इलाका 'साइबरबाद' अब बड़े बदलाव की दहलीज पर है। अक्सर ट्रैफिक जाम व स्कूल छोड़ते वकत होने वाली अफरा-तफरी से जूझने वाले इस क्षेत्र के लिए साइबरबाद पुलिस और 'साइबरबाद फॉर साइबरबाद सिस्कोरिटी काउंसिल' (एससीएससी) ने 'लंदन ट्रांसपोर्ट मॉडल' से प्रेरित मास्टरप्लान तैयार किया है। नए 'स्टूडेंट मोबिलिटी सिस्टम' का मकसद जाम खत्म करना, बच्चों की सुरक्षा



को अभेद्य बनाना, माता-पिता का तनाव घटाने के साथ स्थानीय समुदाय के लिए रोजगार के मौके भी पैदा करना भी है। साइबरबाद पुलिस कमिश्नर डॉ. एम. रमेश बताते हैं, 'हाईटेक सिटी और आसपास के इलाकों में ट्रैफिक का बड़ा हिस्सा स्कूल जाने वाले बच्चों और उन्हें छोड़ने वाले निजी वाहनों का होता है। क्षेत्र के अधिकांश स्कूल अपनी बस सेवा नहीं देते। इस वजह से पेरेंट्स निजी वाहनों से बच्चों को छोड़ते हैं, ट्रैफिक का दबाव बढ़ता है।' डॉ. रमेश ने कहा, पुलिस खास एप विकसित कर रही है। यह डिजिटल प्लेटफॉर्म अभिभावकों, स्कूलों और बस ऑपरेटरों को एक सूत्र में पिरोएगा। हालांकि इस 'गेम-चेंजर' एप का नाम अभी तय होना बाकी है, क्योंकि अधिकारी सभी हितधारकों की राय लेकर प्रभावी नाम रखना चाहते हैं।

अहमदाबाद विमान हादसे के पीड़ितों ने पीएम को लिखा पत्र

- ब्लैक बॉक्स डेटा जारी करने की मांग, 260 लोगों की हुई थी मौत

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात के अहमदाबाद में हुए एअर इंडिया विमान हादसे को 10 महीने हो गए हैं। अब पीड़ितों के परिवारों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर 'कॉकपिट वॉयस रिकॉर्ड' (सीवीआर) और 'ब्लैक बॉक्स' का डेटा जारी करने का आग्रह किया है। बता दें कि इस हादसे में 260 लोगों की मौत हो गई थी। एअर इंडिया की उड़ान एआई 171 (बोइंग 787-8 का



विमान) लंदन जाने वाली थी लेकिन यह विमान 12 जून, 2025 को सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरने के कुछ क्षण बाद ही एक मेडिकल कॉलेज के छात्रावास परिसर में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान में आग लग गई जिससे उसमें सवार 242 लोगों में से 241 व्यक्तियों समेत जमीन पर मौजूद 19 लोगों की मौत हो गई। गुजरात भर से लगभग 30 शोक संतप्त परिवार शनिवार को अहमदाबाद में एकत्रित हुए और प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर इस त्रासदी के पीछे की सच्चाई का पता लगाने के लिए सीवीआर और 'ब्लैक बॉक्स' (फ्लाइट डेटा रिकॉर्ड) का डेटा जारी करने का अनुरोध किया।

12 हजार करोड़ की लागत, ढाई घंटे में पूरा होगा सफर

पीएम मोदी जल्द देने वाले हैं दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे की सौगात

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 14 अप्रैल को दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे का उद्घाटन करेंगे। लोग इसका बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। यह एक्सप्रेसवे उत्तर भारत के रोड इंफ्रास्ट्रक्चर में एक अहम मील का पत्थर साबित होगा। दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे से दिल्ली और देहरादून के बीच यात्रा का समय लगभग 2.5 घंटे जाएगा। इससे इस रूट पर आने-जाने वालों को तेज और ज्यादा बेहतर विकल्प मिलेगा। 210 किलोमीटर का यह कॉरिडोर दिल्ली, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड को जोड़ेगा। दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे के चालू होने से दिल्ली-मेरठ कॉरिडोर पर भीड़ कम होने की उम्मीद है। दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे 210 किलोमीटर का है। इस एक्सप्रेसवे के



शुरू होने के बाद यात्रा का समय कम होगा। अभी दिल्ली और देहरादून के बीच यात्रा का समय लगभग 6.5 घंटे है। एक्सप्रेसवे शुरू होने के बाद यात्रा का समय सिर्फ 2.5 घंटे हो जाएगा। इससे टूरिस्टों को भी सबसे अधिक फायदा होगा। दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे छह-लेन वाला एक्सप्रेस-कॉन्ट्रोल कॉरिडोर है। इस पर कारों के लिए तय स्पीड लिमिट 100 किमी प्रतिघंटा है। यह

एक्सप्रेसवे दिल्ली में अश्वरधाम मंदिर के पास से शुरू होता है और देहरादून पहुंचने से पहले उत्तर प्रदेश के बागपत, बड़ौत, शामली और सहारनपुर से गुजरता है। तेज रफ्तार और बिना रुकावट के सफर के लिए बनाए गए इस एक्सप्रेसवे में सात इंटरचेंज, दो रेल ओवरब्रिज, 10 बड़े पुल और 14 रास्ते के किनारे की सुविधाएं हैं। इनका मकसद यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा को बेहतर बनाना है। दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे को एक बड़ी खासियत राजाजी नेशनल पार्क से गुजरने वाला 12 किलोमीटर का एलिवेटेड सेक्शन है। इसे जंगली जानवरों के लिए डिजाइन किया गया है।

देश में अब नहीं होगी खाद की कोई कमी!

20 देशों से हो रहा है इंतजाम, युद्ध स्तर पर शुरू हुआ काम

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष का असर दुनियाभर के देशों में नजर आ रहा। ईरान के साथ अमेरिका-इजरायल के युद्ध की वजह से कच्चे तेल और गैस के संकट से कई देश जूझ रहे, वहीं फर्टिलाइजर सप्लाई पर भी इसका साफ असर नजर आ रहा। इस जंग के कारण दुनिया भर में फर्टिलाइजर्स की सप्लाई टाइट हो गई है। इससे भारत की मुश्किलें भी बढ़ गई हैं। यह संकट ऐसे



समय आया है जब देश में आधारीत फर्टिलाइजर्स को लेकर खास रणनीति अपनाई है। इसके लिए प्रमुख उत्पादकों और निर्यातकों के साथ वैकल्पिक स्रोत सुनिश्चित करने के लिए बातचीत की जा रही है।

खाद आपूर्ति को लेकर ऐक्टिव

भारतीय दूतावास

इस मामले से जुड़े सूत्रों ने बताया कि खाद आपूर्ति को लेकर लगभग 20 देशों में भारतीय दूतावास युद्धस्तर पर काम कर रहे हैं। वो स्थानीय फर्टिलाइजर कंपनियों के साथ बैठकें कर रहे हैं ताकि आवश्यक आपूर्ति की व्यवस्था की जा सके। सूत्रों के मुताबिक, भारत ने चावल, सोयाबीन और मक्का जैसी फसलों में इस्तेमाल होने वाले यूरिया और ढाई-अमोनियम फॉस्फेट की आपूर्ति के लिए रूस, इंडोनेशिया, मलेशिया, वियतनाम, अल्जीरिया और मिस्र से संपर्क किया है।

रूस ने दिया है पीएम मोदी को आश्वासन

उधर, रूसी उप प्रधानमंत्री डेनिस मंतुरोव ने गुरुवार को नई दिल्ली दौरे के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को फर्टिलाइजर्स के संबंध में अहम जानकारी दी। मंतुरोव ने बताया कि मॉस्को ने दिसंबर 2025 से भारत को खनिज उर्वरकों की आपूर्ति में 40 फीसदी की वृद्धि की है। उन्होंने मोदी को आश्वासन दिया कि रूस भारत की बढ़ती उर्वरक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए तत्पर है। दोनों पक्षों ने भारत-रूस फर्टिलाइजर्स निर्माण संयुक्त उद्यम की स्थापना में हुई प्रगति पर भी चर्चा की।

खाद फैक्ट्री से रासायनिक कचरे का रिसाव

बड़वानी के गांव में निकल रहा जहरीला पानी, एक्शन में प्रशासन

बड़वानी (नप्र)। मध्य प्रदेश के बड़वानी जिले के पानसेमल क्षेत्र की वलजिरी पंचायत इन दिनों गंभीर जल संकट और रासायनिक प्रदूषण की चपेट में है। हालात इतने भयावह हो गए हैं कि ग्रामीणों के अनुसार अब नलों और बोरेवेल से पानी नहीं, बल्कि केमिकल मिला जहरीला पानी निकल रहा है। केमिकल के कारण लोगों को दूषित पानी पीना पड़ रहा है। टाकली गांव के ग्रामीणों का कहना है कि कई कुएं और बोरेवेल पूरी तरह से दूषित हो चुके हैं। इस जहरीले पानी से फसलें बर्बाद हो रही हैं, वहीं लोगों के सामने पीने के पानी का भी बड़ा संकट खड़ा हो गया है। मजबूरी में ग्रामीणों को दूर जाकर पानी लाना पड़ रहा है, जिससे उनकी रोजमर्रा की जिंदगी प्रभावित हो रही है।

खाद फैक्ट्री से हो रहा है रिसाव-मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन ने तुरंत कार्रवाई शुरू की। जिला पंचायत



सीईओ काजल जावला के निर्देश पर पीएचई विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की। प्रारंभिक जांच में चौकाने वाले संकेत मिले हैं कि पास की एक खाद फैक्ट्री से रासायनिक कचरे का रिसाव हो रहा है, जो जल स्रोतों को प्रदूषित कर रहा है। ग्रामीणों की शिकायत के बाद प्रशासन का एक्शन हुआ।

क्यों बने ऐसे हालात- ग्रामीणों का कहना है कि यदि जल्द ही इस

सैंपल लेकर जांच के लिए भेजा गया लैब

पीएचई के अधिकारियों ने पानी के सैंपल लेकर लैब में जांच के लिए भेज दिए हैं। रिपोर्ट आने के बाद ही पूरी सच्चाई सामने आएगी, लेकिन शुरूआती निष्कर्षों ने प्रशासन की चिंता बढ़ा दी है। पानसेमल एसडीएम रमेश सिसोदिया ने बताया कि इस तरह की शिकायतें पहले भी मिल चुकी हैं। उस समय फैक्ट्री संचालकों को चेतावनी दी गई थी और उनके खिलाफ पुलिस केस भी दर्ज किया गया था। अब एक बार फिर मामला सामने आने पर सख्त कार्रवाई के संकेत दिए गए हैं। रमेश सिसोदिया, एसडीएम, पानसेमल ने कहा कि दूषित पानी को लेकर पहले भी ऐसी कई शिकायतें मिली थीं। जिसके बाद फैक्ट्री संचालक को चेतावनी दी गई है। मामले में केस दर्ज हुआ है। सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मिट्टी में मिले माफिया से कम नहीं था सालार मसूद

- सीएम योगी बोले-महाराजा सुहेलदेव ने मसूद को जहन्नुम में भेजा

लखनऊ (एजेंसी)। भारतेन्दु नाट्य अकादमी के स्वर्ण जयंती समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि संवेदनशील सरकार ही संकट के समय जनता की रक्षा करती है। उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्व में राजनीतिक कारणों से कई महान नायकों को भुला दिया गया, लेकिन अब उन्हें सम्मान दिलाने का कार्य किया जा रहा है। योगी ने महाराजा सुहेलदेव के शौर्य का उल्लेख करते हुए कहा कि एक हजार वर्ष पूर्व उन्होंने विदेशी आक्रांता सालार मसूद को परास्त कर देश और समाज की रक्षा की थी। उसे मिट्टी में मिला दिया था। पहले जिस स्थान पर सालार मसूद के नाम पर मेले लगते थे, वहीं अब सुहेलदेवजी के स्मारक पर लोग श्रद्धा व्यक्त करते हैं।



चुनावी रेवड़ियों से राज्यों पर बढ़ता जा रहा कर्ज

लाइली बहना के कारण एमपी का कर्ज रैड लाइन में

नई दिल्ली (एजेंसी)। चुनाव में फ्री राशन, महिलाओं को नकदी जैसी 'मुफ्त की रेवड़ियों' वाली योजनाएं राज्यों के लिए बड़ा बोझ बन रही हैं। हालत यह है कि इनको पूरा करने के लिए राज्य न पर्याप्त संसाधन जुटा पा रहे हैं और न संतुलित बजट बना पा रहे हैं। कुछ राज्यों में तो इन घोषणाओं का बोझ कुल राजस्व प्राप्ति के 30 से 40 फीसदी तक पहुंच गया है। हिमाचल जैसे छोटे राज्य में नकदी संकट की विकट स्थिति है। राज्य में सीएम, मंत्री, विधायकों समेत अफसरों के वेतन-पेंशन टालने पड़े। तेलंगाना को चुनावी



घोषणाओं के लिए हर साल 1 लाख करोड़ चाहिए, पर बजट की कमी से कई योजनाएं अटकी हैं। मप्र में लाइली बहना योजना के चलते जीएसडीटी के मुकाबले

ईरान ने अब सी-130 विमान गिराने का किया दावा

- बोला-रेस्क्यू मिशन में शामिल अमेरिकी विमान किया जमींदोज

तेहरान (एजेंसी)। ईरान ने रविवार को दावा किया है कि उसने अमेरिकी रेस्क्यू ऑपरेशन में शामिल सी-130 कैटगरी का एक विमान मार गिराया। फार्स न्यूज एजेंसी के अनुसार, ईरान की इस्लामिक रिजोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने कहा कि यह विमान इस्फ़हान के दक्षिणी इलाके में लापता अमेरिकी एयरमैन की तलाश में लगा हुआ था। यह दावा ऐसे समय में सामने आया है जब कुछ देर पहले ही ट्रम्प ने घोषणा की है कि लापता एयरमैन को स्पेशल ऑपरेशन चलाकर सुरक्षित बचा लिया गया है। ट्रम्प ने सोशल मीडिया पोस्ट पर बताया कि यह अधिकारी एक कर्नल थे, जो एफ-15ई लड़ाकू विमान गिराए जाने के बाद लापता हो गए थे। ईरान ने ट्रम्प के 48 घंटे में होम्रुंज खोलने के अल्टीमेटम को टुकरा दिया है। ईरानी सेना ने कहा है कि अमेरिका बेवस और वबरकर धमकियां दे रहा है।

सुप्रीम कोर्ट की 9 जजों की पीठ करेगी मामले की सुनवाई

सबरीमाला में महिलाओं की एंट्री की अब है तैयारी!

नई दिल्ली (एजेंसी)। सबरीमाला मंदिर में महिलाओं के प्रवेश से शुरू हुआ विवाद अब एक ऐतिहासिक संवैधानिक मोड़ पर खड़ा है। 7 अप्रैल 2026 से भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत की अध्यक्षता वाली 9 जजों की संविधान पीठ उन व्यापक कानूनी सवालों पर सुनवाई शुरू करने जा रही है। यह न केवल हिंदू धर्म, बल्कि मुस्लिम, पारसी और दाऊदी बोहरा समुदायों की धार्मिक प्रथाओं को भी प्रभावित करेगा। सुप्रीम कोर्ट की यह पीठ केवल सबरीमाला मंदिर में महिलाओं के प्रवेश पर विचार नहीं कर रही है बल्कि कई मामले शामिल हैं।



सुप्रीम कोर्ट के सामने होंगे कई सवाल

संविधान पीठ कुछ मुद्दों पर स्पष्टता लाने की कोशिश कर सकती है। धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार का दायरा और सीमा क्या है। अनुच्छेद 25 (व्यक्तिगत अधिकार) और अनुच्छेद 26 (धार्मिक संप्रदाय के अधिकार) के बीच तालमेल कैसे बैठेगा। क्या धार्मिक संप्रदाय के अधिकार संविधान के भाग-2 (मौलिक अधिकार) के अंतर्गत हैं। अनुच्छेद 25 और 26 में प्रयुक्त नैतिकता शब्द का अर्थ क्या है। क्या इसमें संवैधानिक नैतिकता शामिल है।

10 अप्रैल से समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी

इंदौर। जिले में समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी को लेकर प्रशासन ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। अब 10 अप्रैल से खरीदी कार्य औपचारिक रूप से शुरू किया जाएगा। इस बार 42 हजार किसानों ने अपनी उपज बेचने के लिए पंजीयन कराया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में करीब 9 हजार अधिक है। खाद्य आपूर्ति विभाग के अनुसार, बारदान की कमी के कारण पहले दो बार तारीख आगे बढ़ानी पड़ी थी, लेकिन अब स्थिति सामान्य हो गई है। जिले में 7 हजार बारदान गठान पहुंच चुकी हैं और 10 अप्रैल को अगली खेप भी आने वाली है। इस बार गेहूं की खरीदी बोनास सहित 2625 रुपए प्रति क्विंटल के भाव से की जाएगी। खाद्य आपूर्ति नियंत्रक मोहन मारू ने बताया कि इस वर्ष जिले में 3.5 लाख मीट्रिक टन गेहूं खरीदी का लक्ष्य रखा गया है, जो पिछले साल से 70 हजार मीट्रिक टन अधिक है।

जेईई मेंस के छात्र ने आत्महत्या की

इंदौर। जेईई मेंस की बेहतर ढंग से तैयारी नहीं कर पाने के टेंशन में छात्र ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सुसाइड करने से पहले उसने कमरे में लगे बोर्ड पर सॉरी लिखा था. घटना के बाद पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। मृतक का नाम तन्मय (18) पिता देवेन्द्र यादव निवासी स्कीम नंबर 78 है। लसडुंडिया पुलिस को मृत छात्र की मां हेमलता सरकारी स्कूल में शिक्षक है। जबकि पिता निजी कंपनी में जॉब करते हैं। उसका बड़ा भाई तीन साल से विदेश में प्राइवेट कंपनी में इंजीनियर है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि छात्र को जेईई मेंस की तैयारी और पढ़ाई की टेंशन थी। वह रोजाना पढ़ाई के तनाव को लेकर परिजनों और दोस्तों से बात करता था। सभी उसे समझाइश देते थे। शुक्रवार को जब वह अपने कमरे से काफी देर तक बाहर नहीं निकला तो मां उसे देखने गईं। दरवाजा खटखटाने पर खोला नहीं तो खिड़की से झाँककर देखने पर वह फंदे पर लटका मिला। तत्काल परिजन दरवाजा तोड़कर उसे प्राइवेट अस्पताल ले गए, जहाँ डॉक्टरों ने मौत की पुष्टि कर दी थी। इसके बाद शव का एमवाय अस्पताल में पीएम करवाया गया था।

ऑनलाइन ठगी का शिकार

हुआ बिजनेसमैन

इंदौर। चौकाने वाला ऑन शॉपिंग फॉड सामने आया है, जहाँ बिजनेसमैन को सस्ते बाँडी मसाजर के लालच में लाखों रुपए गंवाने पड़े। फलासिया इलाके में रहने वाले सार्थक नाम के व्यापारी ने गुगल पर 899 रुपए का बाँडी मसाजर देखा और वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन पेमेंट कर दिया। कुछ देर बाद उनके पास कॉल आया, जिसमें बताया कि उनका ट्रांजेक्शन फेल हो गया है और दोबारा भुगतान करना होगा। जैसे ही उन्होंने दोबारा पेमेंट किया, उनके खाते से 20 हजार रुपए कट गए। इसके बाद ठगों ने लगातार अलग-अलग बहाने बनाकर उनसे 10-11 बार और ट्रांजेक्शन करवाए। हर बार पेमेंट फेल जैसे कारण देकर पैसे निकलवाए जाते रहे। जब खाते से 5 लाख 41 हजार रुपए कट गए, तब जाकर उन्हें ठगी का एहसास हुआ। इसके बाद उन्होंने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। मामले की जांच कर रही पुलिस के अनुसार, जिन बैंक खातों में पैसा ट्रांसफर हुआ है, उन्हें ब्लॉक कर दिया गया है और लेन-देन की जानकारी खंगाली जा रही है।

हीरानगर क्षेत्र में युवतियों में मारपीट

इंदौर। तात्कालिक विवाद में युवतियां आपस में भिड़ गईं। उनके बीच मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद हीरानगर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार, वायरल वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि कुछ लड़कियां एक युवती को धेक्कर मारपीट कर रही हैं। इस दौरान उनके साथ मौजूद युवक भी घटना में शामिल नजर आ रहा है। मारपीट पहले गार्डन के अंदर और फिर सड़क पर होती दिखाई दे रही है। मौके पर मौजूद कुछ लोगों ने घटना का वीडियो बना लिया, जो बाद में वायरल हो गया। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, विवाद की वजह छेड़छाड़ और आपत्तिजनक कमेंट को लेकर बताई जा रही है। थाना प्रभारी सुशील पटेल ने बताया कि वीडियो पुलिस के संज्ञान में आ चुका है। हालांकि, अभी तक इस संबंध में कोई औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है। नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। इससे पहले भी बाणेश्वरी कुंड इलाके का ऐसा ही वीडियो सामने आया था, जिसमें कुछ युवकों द्वारा युवक-युवती के साथ मारपीट की गई थी। उस मामले में पुलिस ने वीडियो के आधार पर आरोपियों की पहचान कर उनके खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी थी।

घोटेले में सीबीआई की कार्रवाई

इंदौर। करोड़ों के बैंक लोन घोटेले के मामले में सीबीआई ने बड़ी कार्रवाई करते हुए सोनी इस्पत के डायरेक्टर राजीव लोचन सोनी को गिरफ्तार कर लिया है। उन पर फर्जी दस्तावेजों के जरिए बैंक से लोन लेने का आरोप है। जानकारी के मुताबिक, सीबीआई की टीम पिछले दो दिन से इंदौर में डेरा डाले हुए थी। जांच के बाद टीम ने मनोरमगंज स्थित उनके बंगले पर दबिश देकर उन्हें हिरासत में लिया। इस मामले में सीबीआई ने साल 2022 में ही केस दर्ज कर लिया था, लेकिन हाल ही में कार्रवाई को अंजाम दिया गया। बताया जा रहा है कि यह पूरा मामला करीब 12 करोड़ 87 लाख रुपए के बैंक लोन घोटेले से जुड़ा है। आरोप है कि 2006 से 2011 के बीच राजीव सोनी ने बैंक से केश क्रेडिट लिमिटेड और लेटर ऑफ क्रेडिट जैसी सुविधाएं फर्जी दस्तावेजों के आधार पर हासिल कीं। बाद में इस रकम का उपयोग तय उद्देश्यों के बजाय अन्य कामों में किया गया।

नेशनल हाईवे पर लूट का खुलासा

इंदौर। किशनगंज पुलिस ने नेशनल हाईवे पर हुई बड़ी लूट की वारदात का पदाफांश करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह घटना 30 मार्च को रात की है। एडिशनल एसपी रमेश द्विवेदी ने बताया कि गुजरात निवासी रोहन पाटीदार अपने दोस्तों के साथ फॉर्च्यूनर कार से बायपास होते हुए इंदौर स्थित ढाबे पर खाना खाने गया था। वापस लौटते समय धानुका कोल्ड स्टोर के पास उनकी कार पंकर हो गई। जैसे ही वे नीचे उतरे, बिना नंबर की डिजायर कार वहां आकर रुकी। कार से उतरे बदमाश ने रॉड दिखाकर रोहन की 200 ग्राम वजन की चैन लूट ली और फरार हो गया। सूचना मिली कि आरोपी ट्रेन से अजमेर भाग रहे हैं। इसके बाद पुलिस ने अजमेर पहुंचकर स्थानीय पुलिस की मदद से दोनों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान इंदौर निवासी रिशेरा राठौड़ और राजस्थान के चूरू निवासी प्रभुसिंह भाटी के रूप में हुई है। पूछताछ में दोनों ने अपराध कबूल कर लिया। आरोपी रिशेरा पर पहले से 16 गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं, जबकि प्रभुसिंह पर वाहन चोरी के 10 मामले दर्ज हैं।

स्कूल के बच्चों के बीच पहुंचे कलेक्टर पढ़ाया और जीवन के अनुभव बताए

इंदौर। स्कूल चले हम अभियान के अंतर्गत सांदीपनि शासकीय श्रीदेवी अहिल्या आश्रम विद्यालय में आयोजित 'भविष्य से भेंट' कार्यक्रम में कलेक्टर शिवम वर्मा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उन्हें जीवन में अनुशासन, निरंतर मेहनत और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति की अपनी अलग कहानी होती है। इसलिए किसी भी रोल मॉडल से अच्छी बातें सीखना चाहिए। लेकिन उसकी पूरी तरह नकल करने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। हर किसी के जीवन में अलग-अलग चुनौतियां और अवसर होते हैं। कलेक्टर ने विद्यार्थियों से कहा कि वे अपने बड़े लक्ष्यों को छोटे-छोटे हिस्सों में बांटकर उन्हें क्रमशः प्राप्त करें। प्रतिदिन कुछ नया सीखने का प्रयास करें और पढ़ाई को रोचक बनाएं, ताकि निरंतर प्रेरणा बनी रहे। उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि वे भी कभी इसी तरह विद्यालय में बैठकर ऐसे ही कार्यक्रमों में भाग लेते थे। उन्होंने इंजीनियरिंग की

कलेक्टर ने स्कूल में बच्चों को गणित, विज्ञान सहित कई विषय पढ़ाए



हर गतिविधि में भागीदारी जरूरी

कलेक्टर ने कहा कि किसी भी प्रतियोगिता में भाग लेना ही जीत के समान है। जो विद्यार्थी भाग नहीं लेते, वे अवसर खो देते हैं। इसलिए हर गतिविधि में सक्रिय भागीदारी जरूरी है। उन्होंने शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि शिक्षक ही विद्यार्थियों के जीवन को दिशा देते हैं, इसलिए उनका सम्मान करना चाहिए और उनके मार्गदर्शन का पालन करना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे हमेशा खुश रहकर, सकारात्मक सोच के साथ पढ़ाई करें, खेलें और आगे बढ़ें।

इंदौर एयरपोर्ट का कीर्तिमान, सीमित समय में 44 लाख यात्रियों की उड़ान

इंदौर। देवी अहिल्याबाई होलकर विमानतल ने वित्त वर्ष 2025-26 में विकास की एक नई इबारत लिखते हुए नागरिक उड्डयन के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की। हाल ही में जारी आधिकारिक रिपोर्ट के अनुसार, बीते एक साल में इंदौर से यात्रा करने वाले यात्रियों की संख्या 44 लाख के पार पहुंच गई, जो कि शहर की बढ़ती आर्थिक और व्यापारिक ताकत का स्पष्ट प्रमाण है। विशेष रूप से 1 अप्रैल 2025 से 31 मार्च 2026 के बीच कुल 44,57,659 यात्रियों ने 32,575 उड़ानों के माध्यम से सफर तय किया। पिछले वर्ष की तुलना में यात्रियों की संख्या में हुआ 4 लाख का यह इजाफा इंदौर की राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ती कनेक्टिविटी को रेखांकित करता है।

16 घंटे के रनवे से कीर्तिमान

हैरानी की बात यह कि इंदौर एयरपोर्ट ने यह कीर्तिमान उस समय स्थापित किया जब रनवे रिकॉर्पेंटिंग के काम के चलते नवंबर 2024 से परिचालन का समय सीमित कर दिया गया था। प्रतिदिन केवल 16 घंटे क्रियाशील रहने के बावजूद विमानतल ने अपनी कार्यक्षमता और यात्रियों की पसंद के मामले में पुराने सभी रिकॉर्ड खस्त कर दिए। नवंबर का महीना सबसे व्यस्त - मार्च के महीने में ही यात्रियों की संख्या में करीब 11 हजार की वृद्धि दर्ज की गई। जबकि, पूरे साल में नवंबर का महीना

यह शहर की बढ़ती आर्थिक और व्यापारिक ताकत का प्रमाण



यात्रियों की आवाजाही के लिहाज से सबसे व्यस्त रहा। 1 अप्रैल से एयरपोर्ट को पुनः 24 घंटे के लिए खोल दिया गया है और नई टर्मिनल बिल्डिंग (टर्मिनल 1) से भी संचालन की तैयारी है, आगामी समय में यहां से उड़ानों की फ्रीक्वेंसी और अधिक बढ़ना तय है। 50 लाख यात्रियों का लक्ष्य - विमानतल प्रबंधन और डायरेक्टर सुनील मगरीवार के अनुसार,

यात्री सुविधाओं में सुधार और नई एयरलाइंस के जुड़ने से इस साल 50 लाख यात्रियों का जादुई आंकड़ा पार होने की पूरी उम्मीद है। वर्तमान में रात की नई उड़ानें शुरू होने से यात्रियों के पास अब यात्रा के ज्यादा विकल्प उपलब्ध हैं, जो इंदौर को हवाई यातायात के मामले में मध्य भारत के सबसे प्रमुख केंद्र के रूप में मजबूती से स्थापित कर रहा है।

मोबाइल अपडेट बना जी का जंजाल, 3 लाख की ठगी हुई

नोटिफिकेशन ओके करते ही फोन हैक, रकम साफ

इंदौर। मोबाइल अपडेट के नाम पर ठगी का चौकाने वाला मामला सामने आया है, जिसमें साइबर अपराधियों ने युवक का फोन हैक कर उसके ई-वॉलेट से तीन लाख रुपए उड़ा दिए। हैरानी की बात यह है कि हर बार मोबाइल अपडेट के दौरान खुद-ब-खुद स्विच ऑफ होता रहा और इसी दौरान ठगी को अंजाम दिया गया। राजेंद्र नगर थाना पुलिस ने नेशनल साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत मिलने के बाद केस दर्ज किया है। मामले की जांच में क्राइम ब्रांच की भी मदद ली जा रही है। टीआई नीरज बिश्नर के अनुसार केशरबाग रोड निवासी कपिल करसन भाई पटेल के साथ यह धोखाधड़ी हुई है। कपिल ने बताया कि 24 मार्च को उसके सैमसंग एस-23 मोबाइल पर अपडेटेशन का नोटिफिकेशन आया। इसके करीब ही फोन 97 प्रतिशत अपडेट होकर बंद हो गया। इसके बाद 25 और 27 मार्च को भी फोन अपने आप अपडेट होकर बंद होता रहा। जब फोन दोबारा चालू हुआ तो खाते से एक लाख रुपये कटने का मैसेज मिला। बैंक ऑफ इंडिया में जांच कराने पर पता चला कि उसके खाते से कुल तीन लाख रुपये अलग-अलग यूपीआई आईडी पर ट्रांसफर हो चुके हैं। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है और साइबर अपराधियों की तलाश में जुटी है।

विदेशी महिला बनकर रिटायर्ड अफसर से ठगी, फेसबुक पर दोस्ती महंगी पड़ी

इंदौर। साइबर ठगों ने रिटायर्ड अधिकारी को फेसबुक के जरिए अपना शिकार बना लिया। आरोपियों ने स्कॉटलैंड की महिला बनकर पहले दोस्ती की और फिर गिफ्ट भेजने का झंसा देकर उनसे 10 लाख 43 हजार रुपए पेंड लिए। मामले में एरोड्रम थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, ओम विहार कॉलोनी के रिटायर्ड अधिकारी निवासी 67 वर्षीय अशोक कुमार को फेसबुक पर डॉ लिप्सा डेविंस नाम से फ्रेंड रिक्लेस्ट आई थी। महिला ने खुद को स्कॉटलैंड का निवासी बताया और धीरे-धीरे दोनों के बीच बातचीत बढ़ती गई, जो बाद में गहरी दोस्ती में बदल गई।



पार्सल भेजने की बात कही- इसके बाद उन्हें दिल्ली एयरपोर्ट से फर्जी कॉल आया और कॉल करने वाले ने खुद को कस्टम वाला बताते हुए पार्सल आने की बात कही। पार्सल में डॉलर्स होने की बात कहते हुए बदमाश ने इन डॉलर को कन्वर्ट करने को कहा और कनवर्ट प्राइजिंग

प्रोसेसिंग फीस जमा करने की बात कही। इस प्रकार बदमाशों ने अलग-अलग कारण बताकर उनसे 10 लाख 43 हजार रुपए की ठगी कर दी। इस पर रिटायर्ड अफसर ने एरोड्रम थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने जिन बैंक खातों में रकम भेजी गई थी, उन्हें ब्लॉक कर दिया है।

एक दर्जन से ज्यादा खाते ब्लॉक

एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया ने बताया कि पुलिस के साथ क्राइम ब्रांच की टीम भी जांच कर रही है। एक दर्जन से ज्यादा खाते ब्लॉक करा दिए हैं, जिनमें पैसे का ट्रांजेक्शन हुआ है। क्राइम ब्रांच की टीम दोनों ही थानों की पुलिस के साथ मिलकर खातों की डिटेल निकाल रही है। इसके साथ ही जिन नंबरों से फरियादियों को कॉल आए थे, सोशल मीडिया अकाउंट के साथ ही अन्य टैक्निकल एविडेंस के आधार पर जांच की जा रही है। इधर, दंडोतिया ने अपील की है कि वे ऑनलाइन शॉपिंग करने के दौरान सावधान रहे और सोशल मीडिया पर अनजान फंड रिस्कट को एक्टिव न करें।

पढ़ाई की और कड़ी मेहनत व अनुशासन के बल पर आज इस मुकाम तक पहुंचे। उन्होंने विद्यार्थियों को सलाह दी कि वे पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद, वाद-विवाद, संगीत और अन्य सह-शैक्षणिक गतिविधियों में भी सक्रिय रूप से भाग लें। क्योंकि स्कूल केवल किताबों का ज्ञान देने का स्थान नहीं, बल्कि संपूर्ण व्यक्तित्व निर्माण का केंद्र है।

आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया

उन्होंने कहा कि प्रसन्न मन से किया गया कार्य अधिक प्रभावी होता है और सफलता दिलाता है। विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे अपने विद्यालय, जिले, प्रदेश और देश का नाम रोशन करें। क्योंकि, वे ही देश का भविष्य हैं। कलेक्टर ने बच्चों को गणित, विज्ञान सहित अन्य विषयों के पाठ भी पढ़ाये। उन्होंने बच्चों के साथ अपने अनुभव भी साझा किये और उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान जिला शिक्षा अधिकारी शांता स्वामी भी मौजूद थीं।

राजस्व गड़बड़ी मामले में

कलेक्टर की कार्रवाई,

दो कर्मचारी निलंबित

नायब तहसीलदार को कारण

बताओ, 3 दिन में जवाब मांगा

इंदौर। कलेक्टर ने राजस्व अभिलेखों में गड़बड़ी एवं लापरवाही के मामले में सख्त कार्रवाई करते हुए दो कर्मचारियों को निलंबित कर दिया। वहीं एक नायब तहसीलदार को कारण बताओ सूचना-पत्र जारी किया गया। अपर कलेक्टर रोशन राय को उक्त मामले में विस्तृत जांच के निर्देश दिए गए। तहसील खुडैल क्षेत्र के ग्राम भिंगारिया से संबंधित राजस्व प्रकरण में अनियमितताओं की शिकायत प्राप्त हुई थी। शिकायतकर्ता द्वारा आरोप लगाया गया कि राजस्व रिकॉर्ड में अवैधानिक रूप से नामांतरण कर अन्य व्यक्तियों के नाम दर्ज कर दिए गए। जांच उपरांत प्रथम कार्रवाई में हल्का पटवारी रोहित तिवारी को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया। इस प्रकरण में लापरवाही पर तहसील खुडैल में पदस्थ प्रवाचक सहायक ग्रेड-3 मीना यादव को भी निलंबित कर दिया। जांच में पाया गया कि न्यायालयीन प्रकरण के अभिलेखों के संधारण में अपेक्षित गंभीरता नहीं बरती गई। इसके अलावा उस अवधि में प्रभारी नायब तहसीलदार के रूप में कार्यरत दयाराम निगम को भी कारण बताओ सूचना-पत्र जारी किया गया। उन्हें निर्देश दिए गए हैं कि वे तीन दिवस के भीतर अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत करें, अन्यथा उनके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

खूंखार कुत्ते का आतंक, गांव में दहशत, चार लोगों को काटा

सीसीटीवी में कैद हुआ कुत्ते का किया खौफनाक हमला



ज्यादा उग्र हो गया। घटना के बाद घायलों को तुरंत महु के सिविल अस्पताल पहुंचाया गया, जहाँ उनका इलाज किया गया और एहतियात

खूंखार कुत्ते को पकड़ा जाए और आवारा कुत्तों पर नियंत्रण के लिए विशेष अभियान चलाया जाए।

किसान को रास्ता

रोककर धमकाया

इंदौर। गांधी नगर थाना क्षेत्र में किसान के साथ रास्ता रोककर विवाद और धमकी देने का मामला सामने आया है। किसान जब गेहूं की फसल कटवाकर तीन ट्रैक्टरों में भरकर मंडी जा रहा था, तभी रास्ते में उसके ही भाई और कुछ अन्य लोगों ने उसे रोक लिया। घटना सुपर कॉरिडोर के टीसीएस चौराहे के पास की बताई जा रही है। शिकायतकर्ता आमोद साहू के अनुसार, आरोपी प्रमोद, ऋषि, सोरभ और कपिल जाटव ने ट्रैक्टरों का रास्ता घेर लिया और गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर मामला और बढ़ गया और आरोपियों ने उसे जान से मारने की धमकी भी दी।



कानून और न्याय

विनय झेलावत

(पूर्व असिस्टेंट सॉलिसिटर जनरल एवं वरिष्ठ अधिवक्ता)

व्यक्तिगत स्वतंत्रता और पसंद की स्वतंत्रता को रक्षा करने वाले एक महत्वपूर्ण फैसले में इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने यह स्पष्ट किया है कि उत्तर प्रदेश धर्म के गैरकानूनी रूपांतरण निषेध अधिनियम, 2021 अंतरधार्मिक विवाहों पर प्रतिबंध नहीं लगाता है और न अंतरधार्मिक दंपतियों को लिव-इन रिलेशनशिप में रहने से रोकता है। यह फैसला अंतरधार्मिक दंपतियों द्वारा दायर 12 याचिकाओं के एक समूह के मामले में दिया गया। इनमें परिवार के सदस्यों और अन्य लोगों द्वारा कथित तौर पर दी गई धमकियों से पुलिस सुरक्षा की मांग की गई थी। यह दिलचस्प था कि इन बारह याचिकाओं में से सात में हिंदू पुरुषों के साथ रहने वाली मुस्लिम महिलाओं के मामले थे। अन्य पांच में मुस्लिम पुरुषों के साथ रहने वाली हिंदू महिलाओं के मामले थे। इन दंपतियों ने अदालत में यह दावा किया कि उनके अंतरधार्मिक संबंधों के कारण उन्हें उत्पीड़न और धमकियों का सामना करना पड़ रहा है।

सुनवाई के उपरांत उच्च न्यायालय ने स्पष्ट रूप से कहा कि किसी भी धर्म के व्यक्ति के साथ अपनी पसंद से रहने का अधिकार जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार का अभिन्न अंग है। किसी व्यक्तिगत संबंध में हस्तक्षेप करना, दो व्यक्तियों की पसंद की स्वतंत्रता के अधिकार का गंभीर उल्लंघन होगा। यदि कानून दो व्यक्तियों को, यहां तक कि समान लिंग के व्यक्तियों को भी, शांतिपूर्वक एक साथ रहने की अनुमति देता है, तो कोई भी व्यक्ति परिवार और कोई राज्य ऐसे दो वयस्क व्यक्तियों के विषमलिंगी संबंधों पर आपत्ति नहीं कर सकता है, जो अपनी स्वतंत्र इच्छा से एक साथ रह रहे हैं।

न्यायालय ने स्पष्ट किया कि भारत में लिव-इन रिलेशनशिप अवैध नहीं है और किसी भी कानून के तहत दंडनीय नहीं है।

भारत के संविधान के अनुच्छेद 14, 15 और 21 तथा अधिनियम, 2021 को ध्यान में रखते हुए, यह नहीं कहा जा सकता कि अंतरधार्मिक दंपतियों का लिव-इन रिलेशनशिप अपराध है। उच्च न्यायालय ने इस बात पर

साथी को चुनना और साथ रहना संवैधानिक अधिकार

धर्मांतरण विरोधी कानून अंतरधार्मिक विवाहों या सहमति से वयस्क व्यक्तियों के बीच लिव-इन रिलेशनशिप को प्रतिबंधित नहीं करता। धर्म की परवाह किए बिना, अपनी पसंद के व्यक्ति के साथ रहने का अधिकार संविधान में प्रदत्त अधिकारों के तहत संरक्षित है। भारत के संविधान के अनुच्छेद 14, 15 और 21 तथा अधिनियम, 2021 को ध्यान में रखते हुए, यह नहीं कहा जा सकता कि अंतरधार्मिक दंपतियों का लिव-इन रिलेशनशिप अपराध है। उच्च न्यायालय ने इस बात पर जोर दिया कि न्यायालय दंपतियों को धर्म के नजरिए से नहीं देखता, बल्कि उन्हें अपनी व्यक्तिगत स्वतंत्रता का प्रयोग करने वाले व्यक्तियों के रूप में देखता है। धर्मांतरण विरोधी कानून के दायरे को स्पष्ट करते हुए

जोर दिया कि न्यायालय ने दंपतियों को धर्म के नजरिए से नहीं देखा, बल्कि उन्हें अपनी व्यक्तिगत स्वतंत्रता का प्रयोग करने वाले व्यक्तियों के रूप में देखता है। धर्मांतरण विरोधी कानून के दायरे को स्पष्ट करते हुए न्यायालय ने कहा कि इस अधिनियम के लागू होने के लिए, किसी एक धर्म से दूसरे धर्म में अवैध साधनों जैसे कि गलत बयानी, बल प्रयोग, अनुचित प्रभाव, दबाव, धोखाधड़ी या केवल विवाह के लिए धर्मांतरण द्वारा वास्तविक धर्मांतरण होना आवश्यक है।

न्यायालय ने कहा कि संवैधानिक अधिकारों का सम्मान धर्म की परवाह किए बिना किया जाना चाहिए। उत्तर प्रदेश सरकार ने तर्क दिया था कि लिव-इन रिलेशनशिप में रहने वाले दंपतियों को धर्मांतरण विरोधी कानून के प्रावधानों का पालन करना चाहिए। हालांकि न्यायालय द्वारा नियुक्त न्यायालय मित्र (एमिकस क्यूरी) ने तर्क दिया कि दंपति केवल साथ रह रहे थे। उन्होंने अपना धर्म परिवर्तन नहीं किया था। सभी

दलीलों पर विचार करने के बाद न्यायालय ने कहा कि किसी भी याचिकाकर्ता ने अपने साथी द्वारा धर्मांतरण के प्रयास का दावा नहीं किया था। न्यायालय ने संविधान के

अनुच्छेद 14 और 15 के तहत समानता के सिद्धांतों का भी उल्लेख किया और कहा कि कानून सभी नागरिकों पर समान रूप से लागू होना चाहिए, भले ही उनका धर्म कुछ भी हो।



राज्य के कर्तव्य की पुष्टि करते हुए, न्यायालय ने अपने फैसले का समापन यह कहते हुए किया कि याचिकाकर्ताओं का अंतरधार्मिक संबंध में रहना मात्र

उन्हें भारत के संविधान में निहित मौलिक अधिकार से वंचित नहीं करता, क्योंकि वे भारत के नागरिक हैं। जाति, पंथ, लिंग या धर्म के आधार पर कोई भेदभाव नहीं किया जा सकता।

मूलतः उत्तर प्रदेश धर्म-कानूनी धर्मांतरण निषेध अधिनियम, 2021 अनुसार, गलत व्याख्या, बल प्रयोग, अनुचित प्रभाव, दबाव, प्रलोभन या किसी भी प्रकार की धोखाधड़ी या विवाह के माध्यम से किसी धर्म से दूसरे धर्म में अवैध धर्मांतरण निषिद्ध है। यदि आरोपी यह साबित करने में विफल रहता है कि महिला का धर्मांतरण विवाह के उद्देश्य से या बल प्रयोग, प्रलोभन आदि

के द्वारा नहीं किया गया था, तो उक्त अपराध के लिए उसे 1 से 5 वर्ष तक के कारावास की सजा दी जा सकती है। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति की महिलाओं के मामले में, अधिनियम 2 से 10 वर्ष तक की कठोर सजा का प्रावधान करता है। इस कानून की समीक्षा भारत के

संविधान के भाग-तीसरे में निहित मौलिक अधिकारों के अनुरूपता के संदर्भ में की जाएगी। यह अधिनियम दो व्यक्तियों के बीच विवाह के माध्यम से धर्म परिवर्तन को भी कारावास से दंडनीय बनाता है, जो इस कानून से जुड़ा मुख्य विवाद का बिंदु है और वह प्रमुख आधार है।

याचिकाकर्ताओं को राहत देते हुए न्यायालय ने दंपतियों को धर्मकी मिलने की स्थिति में सुरक्षा के लिए पुलिस से संपर्क करने की अनुमति दी। न्यायालय ने निर्देश दिया कि पुलिस को उनकी उम्र और आरोपों की जांच करनी चाहिए और कानून के अनुसार सुरक्षा प्रदान करनी चाहिए। न्यायालय ने यह भी कहा कि यदि कोई उन्हें जबरन धर्म परिवर्तन कराने का प्रयास करता है तो दंपतियों को शिकायत दर्ज कराने की स्वतंत्रता है। पसंद की स्वतंत्रता की रक्षा करते हुए, न्यायालय ने इस बात पर भी जोर दिया है कि विवाह वैध होने चाहिए। कुछ फैसलों में यह स्पष्ट किया गया है कि आर्य समाज मंदिरों में होने वाले विवाहों सहित सभी विवाहों को वैध होने के लिए कानूनी आवश्यकताओं का पालन करना होगा और केवल प्रमाण पत्र ही आवश्यक प्रक्रिया का विकल्प नहीं हो सकते। यह स्पष्टीकरण अंतरधार्मिक दंपतियों को परेशान करने के लिए धर्मांतरण विरोधी प्रावधानों के दुरुपयोग को रोकता है और यह सुनिश्चित करता है कि जबरन या धोखाधड़ी से किए गए धर्मांतरण के मामलों में कानून का सख्ती से पालन किया जाए। यह निर्णय महत्वपूर्ण है क्योंकि यह अंतरधार्मिक संबंधों को गैरकानूनी धर्मांतरण से स्पष्ट रूप से अलग करता है। यह फैसला इस बात पर बल देता है कि वयस्क व्यक्तियों को अपने साथी चुनने और साथ रहने का संवैधानिक अधिकार है।

अनुसूनी 'ना'

मनीषा मंजरी

लेखक साहित्यकार हैं।



डिजिटल क्रांति ने समाज को अभूतपूर्व गति दी है। संवाद, अभिव्यक्ति और अवसरों के नए द्वार खुले हैं। सोशल मीडिया ने हर व्यक्ति को अपनी पहचान गढ़ने और अपनी बात दुनिया तक पहुंचाने का मंच दिया है। लेकिन इस चमकदार सतह के नीचे एक असहज सच्चाई अब भी मौजूद है, महिलाओं की 'ना' आज भी अनुसूनी रह जाती है। यह समस्या नई नहीं है, लेकिन डिजिटल माध्यमों ने इसे एक नया स्वरूप दे दिया है। पहले जो असहजता सीमित दायरों में थी, अब वह बिना किसी भौतिक दूरी के, सीधे एक स्क्रीन के माध्यम से हमारे निजी जीवन में प्रवेश कर जाती है। अनचाहे संदेश, बार-बार फ़ेड रिक्वेस्ट, और लगातार संपर्क करने की कोशिश। ये सब महज तकनीकी व्यवहार नहीं हैं, बल्कि उस मानसिकता का प्रतिबिंब हैं जहाँ सहमति को अब भी गंभीरता से नहीं लिया जाता।

किसी भी स्वस्थ समाज की नींव आपसी सम्मान और व्यक्तिगत सीमाओं के प्रति संवेदनशीलता पर टिकी होती है। लेकिन जब एक महिला का 'मौन' भी 'संकेत' समझ लिया जाए, या उसकी स्पष्ट अस्वीकृति को 'चुनौती' के रूप में देखा जाए, तो यह केवल एक व्यक्तिगत असुविधा नहीं रह जाती, यह सामाजिक असंतुलन का संकेत बन जाती है। 'ना' एक सरल शब्द है, लेकिन इसके भीतर गहरा अर्थ छिपा है। यह किसी भी व्यक्ति की स्वायत्तता, उसकी पसंद और उसकी गरिमा का प्रतीक है। जब कोई महिला 'ना' कहती है, चाहे वह सीधे शब्दों में हो या उसके व्यवहार

डिजिटल युग में महिलाओं की सुरक्षा का अधूरा सच

किसी भी स्वस्थ समाज की नींव आपसी सम्मान और व्यक्तिगत सीमाओं के प्रति संवेदनशीलता पर टिकी होती है। लेकिन जब एक महिला का 'मौन' भी 'संकेत' समझ लिया जाए, या उसकी स्पष्ट अस्वीकृति को 'चुनौती' के रूप में देखा जाए, तो यह केवल एक व्यक्तिगत असुविधा नहीं रह जाती, यह सामाजिक असंतुलन का संकेत बन जाती है। 'ना' एक सरल शब्द है, लेकिन इसके भीतर गहरा अर्थ छिपा है। यह किसी भी व्यक्ति की स्वायत्तता, उसकी पसंद और उसकी गरिमा का प्रतीक है। जब कोई महिला 'ना' कहती है, चाहे वह सीधे शब्दों में हो या उसके व्यवहार में, तो वह अपने अधिकार का प्रयोग कर रही होती है। समस्या तब उत्पन्न होती है जब इस 'ना' को स्वीकार करने के बजाय उसे नजरअंदाज किया जाता है। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर यह अनदेखी अक्सर बार-बार फ़ेड रिक्वेस्ट भेजने, लगातार संदेश करने या किसी प्रतिक्रिया के अभाव को 'रुचि' समझने के रूप में सामने आती है। यह व्यवहार केवल असंवेदनशीलता नहीं, बल्कि एक प्रकार का डिजिटल अतिक्रमण है, जहाँ किसी की निजी सीमाओं को बार-बार भेदा जाता है, बिना उसकी अनुमति के।

में, तो वह अपने अधिकार का प्रयोग कर रही होती है। समस्या तब उत्पन्न होती है जब इस 'ना' को स्वीकार करने के बजाय उसे नजरअंदाज किया जाता है। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर यह अनदेखी अक्सर बार-बार फ़ेड रिक्वेस्ट भेजने, लगातार संदेश करने या किसी प्रतिक्रिया के अभाव को 'रुचि' समझने के रूप में सामने आती है। यह व्यवहार केवल असंवेदनशीलता नहीं, बल्कि एक प्रकार का डिजिटल अतिक्रमण है, जहाँ किसी की निजी सीमाओं को बार-बार भेदा जाता है, बिना उसकी अनुमति के।

अक्सर यह तर्क दिया जाता है कि इंटरनेट एक खुला मंच है, जहाँ किसी से भी संपर्क किया जा सकता है। यह आंशिक रूप से सही है, लेकिन यह तर्क उस बिंदु पर असफल हो जाता है जहाँ संपर्क की कोशिश एकतरफा और ज़िद्दी हो जाती है। यह स्पष्ट करना आवश्यक है कि समस्या तकनीक में नहीं है। इंटरनेट केवल एक माध्यम है, समस्या उस सोच में है जहाँ, 'ना' को अंतिम उत्तर नहीं माना जाता, 'मौन' को सहमति का रूप दे दिया जाता है, और 'सम्मान'

केवल शब्दों तक सीमित रह जाता है। जब तक यह मानसिकता नहीं बदलेगी, तब तक कोई भी तकनीकी समाधान अधूरा ही रहेगा।

हम एक ऐसे समाज में जी रहे हैं जहाँ एक ओर महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण की बात जोर-शोर से की जाती है, वहीं दूसरी ओर व्यवहारिक स्तर पर उनकी सीमाओं का लगातार उल्लंघन होता है। विज्ञान, अभियानों और सार्वजनिक विमर्श में 'महिला सम्मान' को प्रमुखता दी जाती है, लेकिन व्यक्तिगत व्यवहार में वही सम्मान अक्सर अनुपस्थित होता है। यह विरोधाभास केवल शब्दों और कर्मों के बीच का अंतर नहीं, बल्कि एक गहरी सामाजिक समस्या की ओर संकेत करता है। यह प्रश्न उठाना आवश्यक है कि, क्या हम वास्तव में महिलाओं की 'ना' को सुनने और स्वीकार करने के लिए तैयार हैं?

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों ने सुरक्षा के कई विकल्प उपलब्ध कराए हैं, ब्लॉकिंग, रिपोर्ट, प्राइवसी सेंटिंग्स आदि। लेकिन इन विकल्पों का होना ही पर्याप्त नहीं है। महिलाओं को आज भी बार-बार इन टूल्स का

सहारा लेना पड़ता है, जो यह दर्शाता है कि समस्या की जड़ कहीं और है। जब किसी को बार-बार ब्लॉक करना पड़े, तो यह केवल एक व्यक्तिगत समाधान है, सामाजिक नहीं। इसके अलावा, कई बार महिलाएँ रिपोर्ट करने या प्रतिक्रिया देने से हिचकिचाती हैं, क्योंकि उन्हें यह उर होता है कि कहीं उन्हें ही सवालियों के घेरे में न खड़ा कर दिया जाए। यह स्थिति इस बात की ओर इशारा करती है कि डिजिटल सुरक्षा का ढाँचा अभी भी अधूरा है, और इसे केवल तकनीकी उपायों से नहीं, बल्कि सामाजिक जागरूकता और संवेदनशीलता से मजबूत किया जा सकता है।

इस समस्या का समाधान बहुआयामी होना चाहिए। सबसे पहले, सहमति और व्यक्तिगत सीमाओं की समझ को प्रारंभिक शिक्षा का हिस्सा बनाना होगा। बच्चों को यह सिखाना आवश्यक है कि किसी की अस्वीकृति को स्वीकार करना ही वास्तविक सम्मान है। दूसरे, सामाजिक माध्यम संचालित करने वाली संस्थाओं को उत्पीड़न के मामलों में और अधिक सख्ती और पारदर्शिता दिखानी होगी। केवल शिकायत

का विकल्प देना पर्याप्त नहीं, बल्कि उन पर त्वरित और प्रभावी कार्रवाई भी जरूरी है। तीसरे, समाज के स्तर पर यह समझ विकसित करनी होगी कि, किसी की चुप्पी या दूरी, उसकी स्पष्ट इच्छा का संकेत है, और उसका सम्मान किया जाना चाहिए।

डिजिटल युग ने हमें अभूतपूर्व अवसर दिए हैं, लेकिन इसके साथ जिम्मेदारियों भी आई हैं। यदि हम एक सुरक्षित और सम्मानजनक ऑनलाइन वातावरण बनाना चाहते हैं, तो हमें केवल तकनीक पर नहीं, बल्कि अपनी सोच पर भी काम करना होगा। हर बार जब एक महिला की 'ना' को नजरअंदाज किया जाता है, तो यह केवल एक व्यक्ति की असुविधा नहीं होती, यह समाज के उस हिस्से को उजागर करता है जो अब भी सहमति और सम्मान की मूलभूत अवधारणा को पूरी तरह नहीं समझ पाया है। अब समय आ गया है कि हम इस 'ना' को केवल सुनने ही नहीं, बल्कि उसे स्वीकार भी करें। क्योंकि किसी भी सभ्य समाज की पहचान यही है कि वह अपने सबसे सरल और स्पष्ट संदेशों को भी गंभीरता से लेता है।

जीवन चर्चा

अभिषेक झरबड़े



आज की भागदौड़ भरी और भौतिकतावादी दुनिया में जब हम 'वर्क-लाइफ बैलेंस' और मानसिक शांति की खोज कर रहे हैं, तब हमारे ऋषियों द्वारा प्रतिपादित 'आश्रम व्यवस्था' एक संपूर्ण 'लाइफ मैनेजमेंट मॉडल' के रूप में उभरती है। प्रश्न यह है कि जब हमारे पास पहले से ही इतना वैज्ञानिक ढाँचा मौजूद था, तो हमें बाहर समाधान खोजने की आवश्यकता क्यों पड़ी ?

आश्रम व्यवस्था के मुख्यतः चार स्तंभ हैं- ब्रह्मचर्य, गृहस्थ, वानप्रस्थ व अंत में संन्यास आश्रम है। इन सभी के लिए 25-25 वर्षों का समय निर्धारित किया गया है। लेकिन यह समय कोई पथर की लकीर नहीं है। इसमें उद्देश्य प्राप्ति हेतु परिवर्तन संभव है। जैसे- जगद्गुरु शंकराचार्य ने 8 वर्ष की उम्र में ही संन्यास ग्रहण कर लिया था। इस आश्रम व्यवस्था को चरितार्थ करने से पहले हमें पुरुषार्थ को समझने की आवश्यकता है। पुरुषार्थ का शाब्दिक अर्थ होता है 'लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए प्रयास करना'। अब प्रश्न आया कि लक्ष्य क्या है? तो हमारे मनीषियों ने जीवन के कुल चार लक्ष्य बताए हैं। 'धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष'। पुरुषार्थ व आश्रम व्यवस्था में गहन संबंध है। सामान्य शब्दों में जानें तो पुरुषार्थ हमारे जीवन का पाठ्यक्रम है व आश्रम व्यवस्था इस सिलेबस को पूरा करने के लिए बनाया गया टाइम-टेबल है।

स्वामी विवेकानंद जी का मानना था कि युवा वर्ग ही राष्ट्र के विकास का आधार है। ब्रह्मचर्य आश्रम, युवाओं के समग्र विकास की आधारशिला है। आज के समय में क्या वनों में गुरुकुल जाकर निवास करना पड़ेगा? तो मेरा उत्तर है ना। प्राचीन व्यवस्था तत्कालीन समाज की मांग

लाइफ मैनेजमेंट गुरु आश्रम व्यवस्था और पाठ्यक्रम पुरुषार्थ

स्वामी विवेकानंद जी का मानना था कि युवा वर्ग ही राष्ट्र के विकास का आधार है। ब्रह्मचर्य आश्रम, युवाओं के समग्र विकास की आधारशिला है। आज के समय में क्या वनों में गुरुकुल जाकर निवास करना पड़ेगा? तो मेरा उत्तर है ना। प्राचीन व्यवस्था तत्कालीन समाज की मांग थी। वर्तमान में छात्र वर्ग को केवल शिक्षा ही ग्रहण नहीं करनी बल्कि इस आश्रम में अनेकों कार्य सीखने हैं। जैसे छात्र का चरित्र निर्माण, व्यक्तित्व विकास करना जो वर्तमान छात्रों में नहीं के बराबर है। हमारी व्यवस्था में शिक्षा के साथ सबसे महत्वपूर्ण उद्देश्य चरित्र निर्माण व व्यक्तित्व विकास ही है। मौजूदा सामाजिक परिदृश्य में अनुशासन, संयम स्वयं से ऊपर सर्व की भावना, निष्काम कर्म, विलासिता से दूरी, सहनशीलता, कर्तव्यनिष्ठा जैसे चारित्रिक गुणों का विकास छात्रों में समय की मांग है जो ब्रह्मचर्य आश्रम में निहित है। इसके साथ ही जैसे प्राचीन व्यवस्था में 64 कलाएँ सिखायी जाती थीं। वैसे ही अन्य बच्चों को व्यवसायिक शिक्षा प्रदान की जाती है। ताकि बच्चों में नई-नई स्किल (कोशल) का विकास हो। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में भी इन 64 कलाओं से प्रभावित होकर कक्षा 6 से बच्चों को व्यावसायिक शिक्षा के अंतर्गत स्किल सिखाने का प्रावधान निहित है। सामान्यतः छात्र जीवन में धर्म पुरुषार्थ (अच्छे बातों को धारण करना) का ज्ञान व गृहस्थ आश्रम के लिए अर्थ पुरुषार्थ की नींव रखी जाती है।

उपभोक्तावादी संस्कृति में सर्वाधिक आवश्यकता किसी आश्रम की है तो वो गृहस्थ आश्रम ही है। आज व्यक्ति वर्क-लाइफ बैलेंस में संतुलन स्थापित नहीं कर

पाता है। इस समस्या का समाधान भारतीय मनीषियों ने हजारों वर्ष पूर्व ही दिया। उनका मानना था कि अगर व्यक्ति धर्म के अनुसार अर्थ व काम की पूर्ति करे तो



जीवन का संतुलन बना रहेगा और कभी अवसाद, तनाव की समस्या उत्पन्न नहीं होगी और जीवन का संतुलन बना रहेगा। अब एक सवाल आपके मन में उठ खड़ा होगा कि कैसे धर्म के अनुसार अर्थ व काम की पूर्ति? तो उत्तर होगा की उदाहरण के समझें की कोई व्यक्ति अर्थ के लिए शिक्षा

का पेशा चुनता है किंतु वह समय से स्कूल नहीं जाता, पाठ्यक्रम पूरा नहीं करता तो यह अनैतिक व धर्म के विरुद्ध काम होगा। अब काम की पुरुषार्थ की बात करें तो प्रश्न फिर उठता है कि काम तो उपभोक्तावादी है? किंतु ऐसा नहीं है यह हमारी संकीर्ण सोच का नतीजा है। भारतीय जीवन दर्शन में 'काम' को एक पुरुषार्थ के रूप में इसलिए स्वीकार किया गया ताकि गृहस्थ जीवन की जिम्मेदारियों और आर्थिक संघर्षों के बीच मानवीय संवेदनाएं और जीवन का आनंद लुप्त न हो जाए। आज के युग में कला, मनोरंजन और भ्रमण इसके आधुनिक स्वरूप हैं। हालांकि, इन साधनों का उपयोग करते समय नैतिक शुचितता और धार्मिक मूल्यों का समन्वय अत्यंत आवश्यक है, ताकि आनंद का मार्ग भटकाव का कारण न बने।

कई पश्चिमी विद्वान प्रश्न उठाते हैं कि ब्रह्मचर्य व गृहस्थ आश्रम की प्रासंगिकता तो कुछ सीमा तक दिखाई पड़ती है किंतु वानप्रस्थ व संन्यास आश्रम को ये लोग निराधार बताते हैं। वास्तव में इनके प्रश्न ही निराधार हैं क्योंकि दोनों आश्रमों की क्रियाएं आज भले ही प्रासंगिक न हों किंतु उनके उद्देश्य आज भी प्रासंगिक हैं। वानप्रस्थ की अवस्था रिटायरमेंट की स्थिति से है। इसका मुख्य उद्देश्य समाज सेवा है। इसे आज के समय एक उदाहरण रूप में समझें तो कोई शिक्षक

रिटायरमेंट के बाद भी निःशुल्क कोचिंग या गाइडेंस दे तो यहाँ वानप्रस्थ आश्रम का उद्देश्य चरितार्थ होता है।

वर्तमान में पश्चिमी देशों में मिनिमलिज्म का ट्रेंड चल रहा है। जिसमें कम साधनों में संतुष्ट रहने पर बल दिया जा रहा है। यही मॉडल हमारे संन्यास आश्रम की कांपी है। जैसे - अहंकार, स्वार्थ से मुक्ति, डिजिटल डिटॉक्स होना, संपत्ति का समाज सेवा के लिए दान देना आदि।

भारतीय सनातन परंपरा में पुरुषार्थ चतुष्टय-धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष-को किसी विशेष आश्रम या आयु की सीमा में नहीं बांधा जा सकता; इनकी प्राप्ति जीवन के हर सोपान पर संभव है। अनिवार्य केवल यह है कि इन सभी का आधार 'धर्म' हो। विडंबना यह है कि आधुनिक बोध में हमने धर्म को हिंदू, मुस्लिम या सिख जैसे सांप्रदायिक खानों में सीमित कर दिया है, जबकि वास्तव में धर्म का अर्थ संप्रदाय नहीं, बल्कि शाश्वत मानवीय मूल्य है। जैसा कि शास्त्रों में वर्णित है- धैर्य, क्षमा, आत्म-संयम, अस्वैय (चोरी न करना), शुचितता, विवेक और सत्य का आचरण ही वास्तविक धर्म है। अंततः लेख का निष्कर्ष यह है की आश्रम व्यवस्था एक संपूर्ण जीवन का टाइम-टेबल भी है। अगर इस टाइम-टेबल का पालन हमने धर्म में (नैतिकता) के आधार पर किया तो वर्तमान में समाज में विभिन्न समस्याएँ जैसे - भ्रष्टाचार, तलाक, संस्कृति व समाज का दोहन, पर्यावरणीय असंतुलन का निदान इसी व्यवस्था में छिपा है।

‘संकट मोचन समारोह’ में आज से बहेगी संगीत की गंगा

103वां संकटमोचन संगीत समारोह-1

राजेन्द्र शर्मा

(लेखक संगीत समीक्षक और पूर्व शासकीय अधिकारी हैं)



भारतीय शास्त्रीय संगीत में भारत का अपनी तरह के इकलौते और सबसे विराट संकट मोचन संगीत समारोह के 103वें आयोजन का आगाज छह से 11 अप्रैल तक वाराणसी के संकट मोचन मंदिर के उसी प्रांगण में होने जा रहा है, जहाँ 923 में इसका पहला आयोजन हुआ था। छह दिन तक सुरों की गंगा बहेगी, जिसका आनंद पाने के लिए देश और दुनिया के कोने से लोग बाबा विश्वनाथ की नगरी पहुंच रहे हैं। एक तरफ ऐतिहासिक नगरी का लावण्य तो दूसरी तरफ पूरे छह रोज तक कलाकारों की रस वर्षा। इसके वैभव की जरा कल्पना करिए: गंगा किनारे की मनोरम दुनिया और काशी का पुरातन वैभव। उस पर उन कलाकारों को निःशुल्क सुनने मिलना - जो प्रथम श्रेणी के सितारा फ्रान्कार माने जाते हैं। वह भी पूरे छह दिनों तक। वाराणसी के संकट मोचन मंदिर प्रांगण में प्रतिदिन रात्रि ठीक साढ़े सात बजे इसका शुभारम्भ होगा और हर रोज भोर तक सुरों की गंगा निर्बाध बहेगी।

संकट मोचन संगीत समारोह के आयोजन का अपना एक इतिहास है। वाराणसी के दुर्गाकुंड क्षेत्र में काशी हिंदू विश्वविद्यालय के निकट स्थित संकट

मोचन का ऐतिहासिक मंदिर है। इसमें रखी हनुमानजी की मूर्ति को बाबा संकटमोचन कहा जाता है। कहा जाता है कि इस मूर्ति को कवि गोस्वामी तुलसीदास ने अपने हाथों से गढ़ा था। मंदिर बाद में विस्तृत होता गया। ऐसी भी मान्यता है कि 16 वीं शताब्दी में तुलसीदासजी ने रामचरितमानस का एक अच्छा-खासा हिस्सा यहीं रहकर लिखा था। 60 के दशक तक प्रतिवर्ष आयोजित होने वाला संकट मोचक संगीत समारोह काशी के स्थानीय कलाकारों पर ही निर्भर था। संकट मोचन मंदिर के तत्कालीन महंत पंडित अमरनाथ मिश्र जो स्वकथं पखावज के सिद्ध कलाकार थे, सरोद वादक पंडित ज्योतिन भट्टाचार्य, तबला वादक पंडित किशन महाराज एवं पंडित आशुतोष भट्टाचार्य की मंडली इस आयोजन की रूपरेखा तैयार करती, परन्तु वर्ष 66-67 के दौरान तत्कालीन महंत प्रोफेसर वीरभद्रजी ने इसे राष्ट्रीय स्वरूप प्रदान करने की मंशा से पंडित मणिलाल जी (पंडित जसरज जी के बड़े भाई) को आमंत्रित किया। माना जाता है कि हनुमत कृपा से पंडित घराने के तीनों भाई मणिराम जी, प्रतापजी और जसरजजी देश के दिग्गज शास्त्रीय गायकों की श्रेणी में जा बैठे।

लम्बे वक्त तक संकट मोचन संगीत समारोह में मुस्लिम और महिला कलाकारों की भागीदारी नहीं थी।



लेकिन तत्कालीन महंत वीरभद्र मिश्र ने लिंग और मजहब की सीमा से परे इन कलाकारों को भी प्रस्तुति का अवसर दिया। उस्ताद बिरिमल्लाह खान ने यहाँ शहनाई बजाकर अपनी हाजिरी लगायी थी। यहाँ सभी को संगीत से मतलब है।

वर्तमान में समारोह की जिम्मेदारी सम्हाल रहे महंत विश्वभरनाथ मिश्र ने इस समारोह को शास्त्रीय, जैज,

पाकिस्तान और अफगानिस्तान के लिए भी खोल दिया। इस की शुरुआत पाकिस्तान के गजल गायक गुलाम अली ने की थी। हालांकि उस समय शास्त्रीय गायक पंडित छन्नुलाल मिश्र ने इसका विरोध किया था, लेकिन उसे किसी ने तवज्जो नहीं दी। महंत विश्वभर नाथ मिश्र कहते हैं कि संकट मोचन संगीत समारोह का प्रारूप संगीत और संस्कृति की पूरी अवधारणा को धार्मिक होने से बचाता है। संगीत समारोह और गंगा में एकरूपता है। जैसे गंगा सभी के लिए है, वैसे ही संकट मोचन का मंच भी सभी के लिए है। गंगा-जमुनी तहजीब और सौहार्द के लिए ख्यात संकट मोचन संगीत समारोह की मंशा को स्पष्ट करते हुए महंत विश्वभर नाथ मिश्र गोस्वामी तुलसीदास को उद्धृत कर कहते हैं कि 'मांग के खड़बो मसीदो में सोइबो, लेइबो को एक न देइबो को दो' (मांग के खा लेंगे और मस्जिद में सो लेंगे, न किसी से कुछ लेना है और न किसी को कुछ देना है)। जब मुगल काल का यह हिंदी का महान कवि यह कह गया है, तो हमारी क्या मजाल कि हम उस समरूपता के साथ खिलवाड़ करें या किसी और को भी करने दें। वर्ष 1977 में केंद्र में जनता पार्टी की सरकार थी। उस समय इंदिरा गांधी कमलापति त्रिपाठी से

करीबी के चलते अक्सर बनारस आती रहती थीं। उस साल संकट मोचन संगीत समारोह में इंदिराजी अचानक पहुंच गईं। उस समय मंच पर कंकणा बनर्जी का गायन चल रहा था। सभी श्रोता कंकणा के सुरों में लीन। ऐसे में तत्कालीन महंत प्रो. वीरभद्र मिश्र की यह दुविधा थी कि इंदिरा गांधी को कहाँ बिटाएँ। महंतजी ने उन्हें मंच पर ही बिटा दिया। फिर भी श्रोता अपनी जगह से नहीं हिला और कंकणा ने अपना गायन पूरा किया।

वाराणसी से सांसद और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अभी तक इस समारोह में चाहते हुए भी सम्मिलित नहीं हो सके हैं। यह कसक उनके दिल में भी है। पिछले वर्ष दो-दो मिनट के अंतराल पर प्रधानमंत्री ने पांच टवील करते हुए लिखा था कि संकट मोचन संगीत समारोह संगीत प्रेमियों के लिए सौगात है। फिल्म अभिनेता अमिताभ बच्चन के मन में भी यह मलाल है कि अभी तक वह इस संगीत समारोह में नहीं जा सके हैं।

संगीत मार्तंड पंडित जसरज ने एक बार कहा था कि पैसा, पारिश्रमिक और पद अपनी जगह है। लेकिन संकट मोचन संगीत समारोह में प्रस्तुति का जो आनंद है वह सारे आकर्षणों से परे है। पाकिस्तान के दिग्गज गजल गायक - गुलाम अली भी जिस दौर में यहाँ परफॉर्म करने आए वे स्वयं चकित थे! उनको इस प्रांगण में सुनना अपने आप में गौरवमयी पल था। इस समारोह में सुगम संगीत को भी मान्यता है। शास्त्रीय संगीत में उत्तर भारतीय के साथ दक्षिण भारतीय विधाएँ भी जोड़ी गई हैं। फिलहाल शास्त्रीय संगीत के रसिकों के दिलों में रोमांच है और प्रतीक्षा है छह अप्रैल की शाम की।

ठंडे बस्ते में एमआरएफ सेंटर की योजना, दुर्गंध से लोग परेशान

पुराना कचरे का निपटान नहीं, 10 टन नए कचरे का लगा ढेर

एस. द्विवेदी

बैतूल। शहर के गौताना स्थित ट्रेचिंग ग्राउंड में कचरा प्रबंधन की स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है। पुराने कचरे का निपटान अब तक पूरा नहीं हुआ है और नए कचरे का ढेर लगाते जा रहे हैं। प्रतिदिन आने वाले नए कचरे की प्रोसेसिंग भी नहीं हो रही है। जिससे ट्रेचिंग ग्राउंड में नया और पुराना मिलाकर करीब 10 टन कचरे का ढेर लग गया है। इस कचरे को 10 दिनों में हटाने



के लिए सीएमओ ने ठेकेदार को निर्देशित किया है। बता दें कि नगरपालिका शहर के 33 वार्डों से निकलने वाले कचरे को गौताना स्थित ट्रेचिंग ग्राउंड में एकत्रित करती है। यहाँ कचरा जमा किये जाने से कचरे का ढेर लग गया है। लंबे समय से कचरा इकट्ठा होने और सड़ने की वजह से तेज दुर्गंध उठते रहती है। गंदगी व कचरे के कारण रहवासी घर के दरवाजे लगा कर रखते हैं। लोगों का आरोप है कि नगरपालिका द्वारा कचरे से उठने वाली दुर्गंध को समाप्त करने के लिए कोई प्रयास तक नहीं किये जा रहे हैं। जबकि यहाँ पर ब्लीचिंग पाउडर और क्लोरिन डाल दी जाए तो काफी हद तक यह बदबू दूर हो जाएगी। किन्तु नया यहाँ पर किसी तरह का छिड़काव नहीं कर रहे हैं।

प्रतिदिन निकलता है 35 से 40 टन कचरा - नगरपालिका द्वारा डोर-टू-डोर कचरा संग्रहित किया जाता है। एक अनुमान से शहर के 33 वार्डों से लगभग प्रतिदिन 35 से 40 टन कचरा निकल जाता है और इस कचरे को शहर के समीप स्थित गौताना के ट्रेचिंग ग्राउंड में जमा किया जाता है। पहले आसपास ज्यादा मकान नहीं थे, लेकिन अब आबादी बढ़ने के साथ-साथ मकानों का भी निर्माण हो गया है। ऐसे में हवा चलने पर ट्रेचिंग ग्राउंड का कचरा उड़कर घरों तक पहुँच जाता है और लोगों को गंदगी का सामना करना पड़ता है। रहवासी बताते हैं कि कचरे की दुर्गंध के कारण लोगों को सांस लेने में भी परेशानी आती है। कचरे के कारण मच्छरों का भी प्रकोप बढ़ रहा है। यहाँ दूर-दूर तक लोग

कचरे की दुर्गंध से परेशान है।

नये कचरे की प्रोसेसिंग समय पर नहीं- ट्रेचिंग ग्राउंड में पुराने कचरे के निष्पादन के लिए ठेकेदार द्वारा बेलैस्टिक प्लांट और ट्रेमल मशीन के माध्यम से काम किया जा रहा है, लेकिन इसकी गति धीमी है। इसी के चलते नए कचरे की प्रोसेसिंग समय पर नहीं हो पा रही है। सबसे अधिक समस्या फ्रेश कचरे से हो रही है, जिससे आसपास के इलाकों में दुर्गंध फैल



रही है। दुर्गंध के कारण स्थानीय रहवासियों का जीना मुश्किल हो गया है। हालांकि नगरपालिका का दावा है कि सीमित संसाधनों के बावजूद फ्रेश कचरे की प्रोसेसिंग की जा रही है, लेकिन हकीकत इससे अलग नजर आ रही है और लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

एमआरएफ सेंटर अधर में लटका- शहर में कचरा प्रबंधन को बेहतर बनाने के लिए 1.77 करोड़ रुपए की लागत से मटेरियल रिकवरी फैसिलिटी (एमआरएफ) सेंटर बनाने की योजना अधर में लटक गई है। इस योजना के तहत सूखे और गीले कचरे को अलग-अलग कर वैज्ञानिक तरीके से रिसाइक्लिंग होनी थी। नगरपालिका द्वारा इसका ले-आउट भी तैयार किया गया था, लेकिन स्थानीय लोगों के विरोध के चलते यह योजना फिलहाल ठंडे बस्ते में चली गई। रहवासी ट्रेचिंग ग्राउंड को आबादी क्षेत्र से बाहर करने की मांग पर अड़े हुए हैं। इसे लेकर आसपास के लोगों ने विरोध भी किया था। यहाँ तक कि ट्रेचिंग ग्राउंड जाने वाले मार्ग पर कई बार चक्काजाम तक किया जा चुका है।

इनका कहना है -

पुराने कचरे का निष्पादन चल रहा है। पंद्रह से बीस दिनों में कचरे का ढेर खत्म हो जाएगा। फ्रेश कचरे को लेकर प्रोसेसिंग नहीं हो पा रही है। एमआरएफ प्लांट का काम भी शुरू नहीं हो सका है। इसलिए दिक्कतें बनी हुई हैं।

- पंकज धुर्वे, सब इंजीनियर नगरपालिका बैतूल

कोई भी प्रभावित किसान फसल सर्वे में न छूटे, क्षति की रिपोर्ट बीमा पोर्टल पर भी दर्ज कराएं

अपर कलेक्टर ने मुलताई के ओलावृष्टि प्रभावित ग्रामों का किया निरीक्षण

बैतूल। कलेक्टर बैतूल नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी के निर्देशानुसार जिले में ओलावृष्टि एवं वर्षा से प्रभावित क्षेत्रों का सर्वे राजस्व, कृषि, पंचायत एवं उद्यानिकी विभाग के संयुक्त दल द्वारा किया जा रहा है। इसी क्रम में रविवार को अपर कलेक्टर वंदना जाट ने मुलताई क्षेत्र के प्रभावित ग्रामों का दौरा कर फसल क्षति का निरीक्षण किया। इस दौरान एसडीएम मुलताई राजीव कहार, तहसीलदार संजय बैरिया, सहायक यंत्री कृषि डॉ. प्रमोद मीणा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। अपर कलेक्टर श्रीमती जाट ने ग्राम परमंडल, करपा एवं चंदौर में किसानों के खेतों में पहुंचकर गेहूँ, गोभी, टमाटर एवं प्याज की फसलों में हुए नुकसान का



जायजा लिया। उन्होंने किसानों से संवाद कर आश्चर्य किया कि कोई भी प्रभावित किसान सर्वे से नहीं छूटेगा। राजस्व, कृषि एवं पंचायत विभाग के

दल द्वारा व्यवस्थित सर्वे कर फसल क्षति राहत की कार्यवाही शीघ्र की जाएगी। उन्होंने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत पंजीकृत किसानों

महामहिम ने सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन को बनाया मिशन, हृदयप्रदेश देश को दे रहा संदेश

राज्यपाल मंगुभाई पटेल के संवेदनशील प्रयासों से सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन बन रहा जन-आंदोलन



बदनावर से राजेश शर्मा

5 अप्रैल रविवार की तिथि बाबा बैजनाथ की पावन धरा बदनावर और धार जिले के लिए ऐतिहासिक और गौरवमयी पलों के रूप में अंकित हो गई। महामहिम राज्यपाल मंगुभाई पटेल की गरिमामयी उपस्थिति में शहीद के संघर्ष और बलिदान की गाथा भावी पीढ़ियों को प्रेरित करे इसी पावन बेला में धार जिले के गौरव, अमर शहीद नायब सूबेदार रवींद्र सिंह राठौर की प्रतिमा का अनावरण किया वही बाबा बैजनाथ की पावन धरा से महामहिम ने सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन को जन-आंदोलन बनाने की पहल कर संवेदना की मिसाल पेश की। संवेदनशील राज्यपाल मंगुभाई पटेल बीमारी को वेदना को समझते



हुए सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन के लिए मिशन के रूप में प्रयासरत है। सिकल सेल एनीमिया बीमारी निवारण के लिए आज हृदयप्रदेश देश को संदेश दे रहा है। राज्यपाल ने मेगा स्वास्थ्य शिविर में सिकल सेल एनीमिया के उन्मूलन को एक जन-आंदोलन बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि 'सबका साथ, सबका विकास' के मूल मंत्र को अपनाकर

ही इस अनुवांशिक बीमारी को समाज से दूर किया जा सकता है। राज्यपाल ने बताया कि प्रदेश में सिकल सेल के विरुद्ध अभियान को गति देते हुए अब तक कुल 1 करोड़ 31 लाख जांचें सफलतापूर्वक की जा चुकी हैं। उन्होंने कहा कि यह समस्या मुख्य रूप से जनजातीय समुदायों में व्याप्त है, इसलिए समाज के हर वर्ग को इसे रोकने के लिए सामूहिक प्रयास करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं को आधुनिक बनाते हुए मरीजों के लिए डिजिटल कार्ड की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। इससे मरीजों का स्वास्थ्य रिकॉर्ड डिजिटल रूप में उपलब्ध रहेगा, जिससे उपचार में सुगमता होगी। इसके साथ ही, ग्रामीण और जनजातीय क्षेत्रों में जागरूकता फैलाने और मरीजों की सहायता करने हेतु 'सिकल सेल मित्र' तैयार किए जा रहे हैं, जो इस मिशन में सेंतु का कार्य करेंगे। राज्यपाल ने अपील की कि सिकल सेल के प्रति किसी भी प्रकार की भ्रांति न पालें और केवल पंजीकृत चिकित्सकों के परामर्श के अनुसार ही दवाइयों का नियमित सेवन करें। इस बीमारी को निरंतर उपचार और सही जानकारी के माध्यम से ही नियंत्रित किया जा सकता है।

गरिमामयी उपस्थिति

इस अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर, विधायक नीना विक्रम वर्मा, कलेक्टर प्रियंक मिश्रा, पुलिस अधीक्षक मयंक अवस्थी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अभिषेक चौधरी, जिला पंचायत अध्यक्ष सरदार सिंह मेड़ा, नगर पालिका अध्यक्ष मीना शेखर यादव, पूर्व मंत्री राजवर्धन सिंह दतीगांव, अन्य जनप्रतिनिधिगण, शहीद नरेंद्रसिंह राठौर के परिवार के सदस्य, जिला प्रशासन के अधिकारी, स्वास्थ्य विभाग का अमला और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

खास-खास

- सिकल सेल एनीमिया का उन्मूलन एक साझा जिम्मेदारी, 'सबका साथ-सबका विकास' से ही संभव होगा समाधान
- डिजिटल कार्ड से मिलेगी मरीजों को सुगम उपचार की सुविधा
- जागरूकता के लिए बनाए जा रहे हैं 'सिकल सेल मित्र'
- राज्यपाल द्वारा सिविल अस्पताल, बदनावर के नवीन भवन का लोकार्पण भी किया गया।
- राज्यपाल की उपस्थिति में जिला रेडक्रॉस और अरविंदो हॉस्पिटल के मध्य एमओयू संपन्न
- सिकल सेल एनीमिया जागरूकता और महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में धार रेडक्रॉस ने पेश की मिसाल

फेसबुक पर दोस्ती कर दुष्कर्म, आर्मी जवान गिरफ्तार

अविवाहित बताकर फंसाया, 1 साल से था फरार

बैतूल। कोतवाली पुलिस ने सोशल मीडिया पर दोस्ती कर शदी का झांसा देकर दुष्कर्म करने वाले एक आर्मी जवान को महाराष्ट्र के अमरावती जिले से गिरफ्तार किया है। आरोपी संदीप धुर्वे पिछले एक साल से पुलिस को चकमा दे रहा था। उसने फेसबुक के जरिए महिला से दोस्ती की थी और खुद को अविवाहित बताकर संबंध बनाए। जिससे पीड़िता का एक बेटा भी है। पुलिस ने मुखबिर और साइबर सेल की मदद से आरोपी को अमरावती जिले के वरुड क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया है और उसे बैतूल लाकर वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस के अनुसार, पीड़िता ने पिछले साल 22 अप्रैल को अपने 3 वर्षीय पुत्र के साथ कोतवाली पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई थी। पीड़िता ने बताया कि वर्ष 2021 में उसकी फेसबुक पर संदीप धुर्वे से पहचान हुई थी। संदीप ने खुद को अविवाहित बताकर उससे प्रेम संबंध बनाए और शदी का वादा किया। पीड़िता के गर्भवती होने पर आरोपी उसे महाराष्ट्र के परतवाड़ा और बाद में उत्तर प्रदेश के मेरठ में किराए के मकान में रखता रहा। वहीं पीड़िता की छिनीवरी भी कराई गई। जब पीड़िता ने शदी के लिए दबाव बनाया, तो आरोपी ने शदी से साफ इनकार कर दिया। जांच में पता चला कि आरोपी पहले से ही विवाहित है। पीड़िता की शिकायत पर कोतवाली पुलिस ने आरोपी संदीप (34) पिता मूलचंद धुर्वे (निवासी परतवाड़ा) के



खिलाफ धारा 376(2)(एन) और 506 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी। उस समय आरोपी मेरठ के तोपखाना कैंट में पदस्थ था। तबादला करवाकर दे रहा था चकमा, वरुड क्षेत्र से पकड़ाया- पुलिस के मुताबिक, आरोपी को अपने खिलाफ मामला दर्ज होने की जानकारी मिल गई थी। इसके बाद उसका तबादला मेरठ से मणिपुर के लीमाकोंग और फिर नागालैंड के जखामा पोस्ट पर हो गया। वह करीब एक साल तक छुट्टी पर घर नहीं आया और पुलिस को चकमा देता रहा। इसी बीच पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि आरोपी ट्रेन से अपने घर परतवाड़ा आ रहा है। आरोपी ने पुलिस को भ्रमित करने के लिए बस से आने की गलत जानकारी भी दी थी। कोतवाली पुलिस की विशेष टीम ने अमरावती जिले के वरुड क्षेत्र के पास दबिश देकर उसे गिरफ्तार कर लिया।

शदी का झांसा देकर बलात्कार करने वाला आरोपी गिरफ्तार, भेजा जेल

बैतूल। महिला के साथ शारीरिक संबंध (बलात्कार) करने वाले आरोपी को सारनी पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। फरियादीया ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि आरोपी रोहित सूर्यवंशी निवासी पाथाखेडा द्वारा फरियादीया के बच्चों का पालन पोषण करने का लालच देकर उसके साथ सन 2022 से लगातार शारीरिक संबंध बनाये और शदी करने से मना कर दिया। फरियादीया की रिपोर्ट पर आरोपी रोहित सूर्यवंशी के विरुद्ध अपराध 69 बीएनएस का पाया जाने से अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। विवेचना के दौरान आरोपी रोहित पिता रामा सूर्यवंशी उम्र 31 साल निवासी जेरी चौक शोभापुर पाथाखेडा को गिरफ्तार किया गया। आरोपी को न्यायालय में पेश कर जिला जेल बैतूल भेजा गया। इस कार्रवाई में निरीक्षक जयपाल इनावती, उप निरीक्षक प्रीति पालेवार, प्रधान आरक्षक श्रीराम उर्डेकर और आरक्षक राजेन्द्र सैनिक राजेश की सराहनीय भूमिका रही।

जनगणना 2027 : फील्ड ट्रेनर्स का जिला स्तरीय प्रशिक्षण संपन्न

प्रतिभागियों ने घर-घर जाकर मोबाइल एप के माध्यम से 33 प्रश्नों के उत्तर किए संकलित



दिशा प्रदान की, जिससे प्रशिक्षण पूरी तरह व्यवस्थित एवं प्रभावी रूप में संचालित हुआ।

प्रथम दिवस में जनगणना 2027 की रूपरेखा, प्रक्रियाएं एवं कानूनी प्रावधानों के साथ प्रणकों एवं पर्यवेक्षकों की भूमिका स्पष्ट की गई। द्वितीय दिवस में प्रश्नवली आधारित प्रशिक्षण के अंतर्गत मकान सूचीकरण से संबंधित प्रश्नों की गहन समझ विकसित कराई गई एवं मोबाइल एप के माध्यम से डेटा संकलन की

प्रक्रिया का विस्तृत अभ्यास कराया गया। अंतिम दिवस में एप के सुरक्षा सावधानियों के साथ ही भूमिका निर्वहन मैप लेआउट निर्माण एवं फील्ड विजिट के माध्यम से प्रतिभागियों को वास्तविक परिस्थितियों में कार्य करने का अनुभव प्रदान किया गया। जनपद बैतूल के ग्राम खंडारा में फील्ड अभ्यास के दौरान प्रतिभागियों ने घर-घर जाकर मोबाइल एप के माध्यम से 33 प्रश्नों के उत्तर संकलित करते हुए प्रणक एवं पर्यवेक्षक की भूमिका का सफल

निर्वहन किया। इस अवसर पर कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने कहा कि जनगणना प्रशासनिक व्यवस्था की रीढ़ है और इसकी गुणवत्ता पर ही विकास योजनाओं की दिशा और प्रभावशीलता निर्भर करती है। प्रत्येक स्तर पर पूर्ण जवाबदेही सुनिश्चित करते हुए कार्य को शत-प्रतिशत शुद्धता एवं समयबद्धता के साथ संपन्न किया जाना अनिवार्य है। फील्ड ट्रेनर्स इस पूरी प्रक्रिया की धुरी हैं, जिनकी दक्षता ही जनगणना की सफलता तय करेगी। उन्होंने फील्ड ट्रेनर्स को उनके दायित्वों की गंभीरता से अवगत कराते हुए स्पष्ट किया कि प्रशिक्षण की गुणवत्ता ही जमीनी स्तर पर कार्य की गुणवत्ता तय करेगी, इसलिए प्रत्येक बिंदु को गहराई से समझते हुए आगे प्रणकों एवं पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षित किया जाए। प्रशिक्षण के दौरान जनगणना की व्यापक उपयोगिता, डेटा की विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए आवश्यक सतर्कता एवं कार्य के प्रति संवेदनशीलता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी विशेष दल दिया गया। त्रिदिवसीय प्रशिक्षण के उपरांत प्रतिभागियों में डिजिटल माध्यम से जनगणना कार्य को सटीक, पारदर्शी एवं प्रभावी ढंग से संपन्न करने की आवश्यक दक्षता एवं आत्मविश्वास विकसित हुआ, जो जनगणना 2027 के सफल क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।



उपार्जन से पहले गोदामों में गेहूं भंडारण के सत्यापन के लिए जांच दल गठित

सीहोर (निप्र)। शासन के निर्देशानुसार समर्थन मूल्य पर गेहूं का उपार्जन 10 अप्रैल से प्रारंभ होगा। रबी उपार्जन वर्ष अंतर्गत अन्य जिलों में खरीदी के लिए निर्धारित गोदामों पर खरीदी प्रारंभ होने के पूर्व एवं बिना स्टाॅक बुकिंग के गेहूं भंडारित करने का प्रकरण प्रकाश में आया है। इस स्थिति को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर श्री बालागुरु के. द्वारा जिले में गेहूं खरीदी के लिए निर्धारित गोदामों में इस वर्ष की खरीदी से पहले गेहूं के भण्डारण का भौतिक सत्यापन करने के लिए तहसीलवार एवं गोदामवार अधिकारियों के जांच दल गठित किए गए हैं। सभी अधिकारियों को गेहूं उपार्जन के लिए चिन्हकित गोदामों की जांच कर 02 दिनों में प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। कलेक्टर श्री बालागुरु के. के निर्देश के पश्चात अधिकारियों के जांच दल गोदामों का निरीक्षण करते पहुंचे। जांच दलों द्वारा श्यामपुर स्थित जानकी वेयर हाउस, नीलेश वेयर हाउस कान्याखेड़ी स्थित पटेल वेयर हाउस, गिल्लोर स्थित सुदामा वेयरहाउस, बड़नगर स्थित कमला वेयरहाउस, प्रतीभा श्री वेयरहाउस, बोरी कला स्थित श्री अष्ट विनायक वेयरहाउस, पांगरखाली स्थित कमला श्री वेयरहाउस, भंवी कला महाकाल वेयर हाउस सहित जिले अनेक वेयरहाउसों का निरीक्षण किया गया।

संक्षिप्त समाचार

एसीबी की बड़ी कार्रवाई, 26 साल पुराने घोटाले में पूर्व प्रबंधक गिरफ्तार, 1 करोड़ 86 लाख के गबन का है आरोप

भोपाल। अंधाचार के खिलाफ जारी अभियान के तहत आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो ने 26 साल पुराने एक बड़े गबन मामले में बड़ी सफलता हासिल की है। ब्यूरो ने 'सहकारी आवास संघ मर्यादित भोपाल' के तत्कालीन प्रबंधक प्रदीप कुमार निखरा को गिरफ्तार किया है। यह पूरी कार्रवाई वर्ष 2000 में दर्ज अपराध क्रमांक 19/2000 के तहत की गई है।

उप मुख्यमंत्री ने किया पेंटियम प्वाइंट के तीन नवीन कॉलेजों का लोकार्पण

भोपाल। उप मुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने पेंटियम प्वाइंट ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट्स के तीन नवीन महाविद्यालयों का भव्य लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने परिसर में आयोजित अंतर-विश्वविद्यालयीन पश्चिम क्षेत्र खो-खो महिला प्रतियोगिता का निरीक्षण कर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन भी किया। कार्यक्रम का शुभारंभ उप मुख्यमंत्री द्वारा फीता काटकर किया गया, जिसके माध्यम से पेंटियम प्वाइंट कॉलेज



ऑफ फार्मसी, पेंटियम प्वाइंट कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट और पेंटियम प्वाइंट कॉलेज ऑफ लॉ का विधिवत संचालन शुरू हुआ। लोकार्पण के पश्चात श्री शुक्ल ने नवनिर्मित परिसर का भ्रमण किया और वहां उपलब्ध आधुनिक सुविधाओं व सेमिनार हॉल का अवलोकन किया। उन्होंने संस्थान के मुख्य प्रबंध संचालक को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह सर्वसुविधायुक्त परिसर इस क्षेत्र के छात्र-छात्राओं के उज्वल भविष्य के लिए मील का पत्थर साबित होगा और उच्च शिक्षा के स्तर को नई ऊंचाइयों प्रदान करेगा। उप मुख्यमंत्री ने खो-खो प्रतियोगिता में भाग ले रही खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया।

संस्कारयुक्त शिक्षा से ही मानव जाति का कल्याण व क्षेत्र का विकास संभव: उप मुख्यमंत्री

भोपाल। उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा कि संस्कारयुक्त शिक्षा से ही मानव जाति का कल्याण व क्षेत्र विकास संभव है। इस महाविद्यालय की स्थापना पवित्र उद्देश्य से की गई थी। महाविद्यालय उत्तरोत्तर प्रगति करे व क्षेत्र में उच्च शिक्षा के विकास में अपना योगदान दे। उप मुख्यमंत्री जवा में ईश्वरचन्द्र विद्यासागर महाविद्यालय के रजत जयंती समारोह में शामिल हुए। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि जवा में इस महाविद्यालय की स्थापना उच्च शिक्षा की पूर्ति की दिशा में बड़ा कदम था। जिसकी स्थापना के लिए पूर्व विधानसभा अध्यक्ष श्रीयुत श्रीनिवास तिवारी का योगदान अविस्मरणीय रहेगा। श्री शुक्ल ने कहा कि किसी भी संस्था का रजत जयंती समारोह उसकी यात्रा के सिंहावलोकन का भी एक माध्यम होता है। रीवा जिले में हर क्षेत्र में विकास हो रहा है और रीवा विकसित क्षेत्र में शामिल होने वाला है।

कलेक्टर ने की शिक्षा विभाग की गतिविधियों की समीक्षा

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर श्री बालागुरु के. ने कलेक्टर सभाकक्ष में बैठक आयोजित कर शिक्षा विभाग की गतिविधियों की समीक्षा की। बैठक में कलेक्टर श्री बालागुरु के. ने कक्षा पहली से कक्षा बारहवी तक के शासकीय स्कूलों में विद्यार्थियों के नामांकन की स्थिति की समीक्षा करते हुए नामांकन बढ़ाने के लिए विशेष प्रयास करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों को पाठ्यपुस्तक वितरण प्रगति की भी समीक्षा की। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती सर्जना यादव ने भी संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

कलेक्टर ने जल गंगा संवर्धन अभियान की प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त एचपीवी टीकाकरण की समीक्षा करते हुए जागरूकता कार्यक्रम चलाने और शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करने के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर ने वर्ष 2025-26 के लिए ई-स्कूल ड्रॉपआउट गैप का सत्यापन करने, विद्यार्थियों के आधार अपडेट की स्थिति सुधारने एवं शिक्षकों की

उपस्थिति की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर श्री बालागुरु के. ने नवीन शौचालय निर्माण एवं मरम्मत कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए सभी कार्यों को समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही सीएम हेल्पलाइन के अंतर्गत लंबित शिकायतों के त्वरित निराकरण पर विशेष जोर दिया।

बैठक में समग्र शिक्षा अभियान अंतर्गत प्राथमिक, माध्यमिक एवं हाई/हायर सेकेंडरी स्कूलों को जारी आकस्मिक निधि के उपयोग की समीक्षा की गई तथा राशि का नियमानुसार उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में जानकारी दी गई कि यू-ड्राइस 2025-26 अंतर्गत कक्षा 01 से 12 तक नामांकन का कार्य लगभग शत-प्रतिशत पूर्ण कर लिया गया है। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि अब शेष छूटे हुए विद्यार्थियों को चिन्हित कर शीघ्र नामांकित किया जाए तथा ड्रॉपआउट की स्थिति को पूरी तरह समाप्त करने के प्रयास किए जाएं। बैठक में बताया गया कि शासन द्वारा जिले के सरकारी स्कूलों के 210 प्रतिभावन बच्चों को स्कूटी की राशि दी गई है तथा उनके द्वारा स्कूटी खरीद ली गई है।

भूरिया राजपूत बर्नी सेल्स मैनेजर आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ाया कदम

मुख्यमंत्री सीखो कमाओ योजना से मिली सफलता

विदिशा (निप्र)। मुख्यमंत्री सीखो कमाओ योजना के अंतर्गत प्रशिक्षण प्राप्त कर कु. भूरिया राजपूत ने रोजगार हासिल कर सफलता की प्रेरणादायक कहानी प्रस्तुत की है। उन्होंने लटोरी स्थित गणेश मोटर्स में प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद जूडू स्नाहूह छत्रदह छत्रदह 4 के शौरूम में सेल्स मैनेजर के पद पर नौकरी प्राप्त की है। कु. भूरिया राजपूत ने वर्ष 2025 में शासकीय महाविद्यालय लटोरी से कंप्यूटर कोर्स के अंतर्गत प्रशिक्षण लिया। प्रशिक्षण पूर्ण होने के बाद उन्हें गणेश मोटर्स, लटोरी में अपने कौशल के अनुरूप कार्य करने का अवसर मिला, जहां उन्होंने तकनीकी और व्यावसायिक अनुभव हासिल किया। उनकी लगन



और मेहनत के परिणामस्वरूप उनका चयन लटोरी के टीवीएस शौरूम में सेल्स मैनेजर के पद पर हुआ, जहां वर्तमान में उन्हें प्रतिमाह 8,000 रुपये वेतन प्राप्त हो रहा है। इस आय से वे न केवल अपने व्यक्तित्व खर्चों का वहन कर रही हैं, बल्कि अपने परिवार की आर्थिक

सहायता भी कर रही हैं। भूरिया राजपूत ने अपनी सफलता का श्रेय शासकीय महाविद्यालय लटोरी एवं कौशल विकास विभाग, मध्यप्रदेश को दिया है। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त मार्गदर्शन और व्यावहारिक ज्ञान ने उन्हें रोजगार प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह सफलता अन्य युवाओं, विशेषकर युवतियों के लिए प्रेरणास्रोत है, जो कौशल प्रशिक्षण के माध्यम से आत्मनिर्भर बनने का सपना देख रहे हैं। मुख्यमंत्री सीखो कमाओ योजना के माध्यम से युवाओं को रोजगार से जोड़ने का यह प्रयास प्रदेश में सकारात्मक परिवर्तन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हो रहा है।

जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत केसला में जल संरक्षण का संदेश

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सुशी सोनिया मीना के निर्देश अनुसार जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद नर्मदा पुरम द्वारा जिले में विभिन्न गतिविधियों चलाई जा रही हैं। केसला में ग्राम विकास प्रस्कूटन समितियों द्वारा दीवार लेखन के माध्यम से जल संरक्षण और संवर्धन के प्रति जागरूकता फैलाई जा रही है।

फिश फीड मील से सफलता की उड़ान, मुस्कान सिंह और बनवारी लाल बने प्रगतिशील किसान



सीहोर (निप्र)। केंद्र सरकार द्वारा संचालित प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना देश में मत्स्य क्षेत्र के समग्र विकास के लिए एक महत्वाकांक्षी योजना है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य मछली उत्पादन में वृद्धि करना, आधुनिक तकनीकों को बढ़ावा देना, मत्स्य पालन से जुड़े लोगों की आय बढ़ाना तथा रोजगार के नए अवसर सृजित करना है। योजना के अंतर्गत मत्स्य पालन, प्रसंस्करण, कोल्ड चेन, फिश फीड यूनिट जैसे गतिविधियों के लिए ऋण, अनुदान और तकनीकी सहायता प्रदान

की जाती है, जिससे किसान आत्मनिर्भर बन सकें। इसी योजना ने सीहोर जिले की ग्राम हसनबाद निवासी महिला किसान श्रीमती मुस्कान सिंह के जीवन में भी सकारात्मक बदलाव लाया है।

उन्होंने प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना का लाभ लेकर न केवल स्वयं को सशक्त बनाया, बल्कि अन्य लोगों के लिए भी रोजगार के अवसर सृजित किए हैं। श्रीमती मुस्कान सिंह बताती हैं कि उन्हें वर्ष 2025 के अप्रैल माह में इस योजना के अंतर्गत 01 करोड़ रुपये का ऋण प्राप्त हुआ। इस राशि से उन्होंने एक आधुनिक फिश फीड मील की स्थापना की, जहां मछलियों के लिए उच्च गुणवत्ता का दाना तैयार किया जाता है।

इस कार्य में उनके पति श्री बनवारी लाल वर्मा भी सक्रिय रूप से सहयोग कर रहे हैं। आज उनकी इस फिश फीड मील का वार्षिक टर्नओवर लगभग 05 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है, जो उनकी मेहनत और योजना की सार्थकता का प्रमाण है। इतना ही नहीं, इस इकाई के माध्यम से 14 लोगों को स्थायी रोजगार भी मिला है, जिससे स्थानीय स्तर पर आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिला है। श्रीमती मुस्कान सिंह द्वारा तैयार किया गया फिश फीड सीहोर जिले के साथ-साथ आसपास के लगभग 06 जिलों में विक्रय किया जा रहा है, जिससे उनका व्यवसाय लगातार विस्तार कर रहा है। आज वे और उनके पति एक प्रगतिशील किसान और सफल उद्यमी के रूप में अपनी पहचान बना चुके हैं। यह सफलता की कहानी दर्शाती है कि यदि योजनाओं का सही तरीके से लाभ लिया जाए तो वे न केवल व्यक्तिगत जीवन में बदलाव ला सकती हैं, बल्कि समाज और क्षेत्र के विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान दे सकती हैं। प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना इसी प्रकार किसानों और उद्यमियों के लिए नई संभावनाओं के द्वार खोल रही है।



नरवाई प्रबंधन में किसान अतुल अहिरवार बने मिसाल, भूसा बनाकर खेतों में मिला रहे अवशेष

विदिशा (निप्र)। विदिशा जिले के ग्राम छोरखेड़ा में प्रगतिशील कृषक श्री अतुल अहिरवार द्वारा नरवाई प्रबंधन को लेकर एक सराहनीय पहल की जा रही है। जहां आमतौर पर फसल कटाई के बाद खेतों में नरवाई जलाने की प्रवृत्ति देखी जाती है, वहीं कृषक श्री अहिरवार पर्यावरण संरक्षण और मृदा स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए आधुनिक और उपयोगी तरीका अपना रहे हैं। कृषक श्री अतुल अहिरवार हार्वेस्टर से गेहूं की कटाई के बाद अपने खेत में नरवाई को जलाने के बजाय उसका भूसा तैयार कर रहे हैं। इसके साथ ही वे आसपास के गांवों के अन्य किसानों के खेतों में भी किराए पर जाकर भूसा बनाने का कार्य कर रहे हैं, जिससे क्षेत्र के अन्य

कृषकों को भी इस नवाचार का लाभ मिल रहा है। भूसा तैयार करने के बाद वे रोटावेटर चलाकर नरवाई को भूमि में मिला देते हैं। इससे खेत की उर्वरता में वृद्धि होती है, बल्कि पदार्थ की मात्रा बढ़ती है और आगामी फसल के लिए भूमि अधिक उपजाऊ बनती है। यह तरीका न केवल पर्यावरण के लिए हितकारी है, बल्कि किसानों के लिए आर्थिक रूप से भी लाभदायक सिद्ध हो रहा है। स्थानीय स्तर पर श्री अहिरवार की यह पहल अन्य किसानों के लिए प्रेरणा बन रही है। यदि अधिक से अधिक किसान इस पद्धति को अपनाएं, तो नरवाई जलाने से होने वाले प्रदूषण पर नियंत्रण के साथ-साथ मृदा संरक्षण की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम उठाया जा सकता है।

स्ट्रॉ रीपर से बदली तस्वीर: स्व सहायता समूह बना आत्मनिर्भर

नरवाई प्रबंधन से बड़ी आय और बचा पर्यावरण

विदिशा (निप्र)। मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के प्रयास अब जमीनी स्तर पर सफल होते नजर आ रहे हैं। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता के निर्देशन में जिले के 22 स्व सहायता समूहों ने एक प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत करते हुए आर्थिक स्वावलंबन के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी उल्लेखनीय कार्य किया है। इन समूहों की महिलाओं द्वारा 22 स्ट्रॉ रीपर मशीनों का सफल संचालन किया जा रहा है। जिन समूहों के पास पहले से ट्रैक्टर-ट्रॉली उपलब्ध थे, उन्होंने संकुल स्त्रीय संगठनों एवं बैंकों से ऋण



लेकर स्ट्रॉ रीपर मशीनें खरीदीं और इसे स्वरोजगार का साधन बना लिया। इस पहल के माध्यम से गेहूं की कटाई के बाद खेतों में बची पराली (नरवाई) को जलाने के बजाय उसे भूसे में परिवर्तित किया जा रहा है।

अब तक इन मशीनों के जरिए लगभग 400 हितग्राहियों के खेतों में 840 ट्रॉली से अधिक भूसा तैयार किया जा चुका है, जिससे करीब 5 लाख 80 हजार रुपये की आय अर्जित हुई है। यह उपलब्धि न केवल समूहों की आर्थिक सशक्तता को दर्शाती है, बल्कि ग्रामीण महिलाओं की मेहनत, कौशल और नेतृत्व क्षमता का भी प्रमाण है। इस नवाचार से जहां एक ओर नरवाई जलाने की समस्या पर प्रभावी नियंत्रण हुआ है, वहीं पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिला है। साथ ही, ग्रामीण क्षेत्रों में पशुधन के लिए भूसे की

उपलब्धता बढ़ी है, जिससे पशुपालकों को सीधा लाभ मिल रहा है। पहले जहां किसान पराली को बेकार समझकर जला देते थे, जिससे पर्यावरण को नुकसान होता था, वहीं अब वहीं पराली आय का साधन बन गई है। आजीविका मिशन के तहत यह पहल ग्रामीण महिलाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बन रही है और अन्य समूहों को भी स्वरोजगार अपनाने के लिए प्रोत्साहित कर रही है। मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत द्वारा नरवाई प्रबंधन कार्यों की लगातार समीक्षा एवं मार्गदर्शन दिया जा रहा है, जिससे स्व सहायता समूह और अधिक प्रभावी ढंग से कार्य कर सकें। यह पहल आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय बदलाव की दिशा में एक सशक्त कदम है, जो 'आत्मनिर्भर गांव' की परिकल्पना को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।



आप्टा में स्टॉक सत्यापन में अनियमितता पाए जाने पर गैस एजेंसी से 05 कर्मशियल गैस सिलेंडर जब्त

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर श्री बालागुरु के. के निर्देशानुसार जिले में एलपीजी गैस की सुचारु आपूर्ति बनाए रखने और घरेलू गैस सिलेंडरों के व्यावसायिक उपयोग एवं अनियमितताओं को रोकने के लिए आप्टा में कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी सुशी मुंगी अग्रवाल ने द्वारा आप्टा के विभिन्न हॉटलों, रेस्टोरेंट एवं गैस एजेंसियों का औचक निरीक्षण किया गया। इस दौरान विपिन गैस एजेंसी पर स्टॉक सत्यापन में अनियमितताएं होने पर 05 कर्मशियल गैस सिलेंडर जब्त किए गए और प्रकरण दर्ज किया गया।

मप्र से राजस्थान तक ओलों से तबाही!

14 जिलों में आसमान से बरसी 'सफेद आफत' नीबू से बड़े आकार के ओले गिरे



भोपाल (नप्र)। भीषण ओलावृष्टि, आंधी-तूफान और बारिश ने मध्य प्रदेश से लेकर राजस्थान तक कहर बरपा दिया। पिछले 24 घंटों में एमपी 14 जिलों में ओलों की बारिश हुई है। राजगढ़ में तो नीबू से बड़े आकार के ओले पड़े। मुलताई-बैतूल में करीब आधे घंटे में पूरा इलाका शिमला सा नजर आ रहा था। एमपी से लेकर पड़ोसी राजस्थान तक ओलों ने फसलें बर्बाद कर दी और लोगों का हाल-बेहाल कर दिया। सोमवार को 20 जिलों में बारिश-तूफान का अलर्ट है।

मध्य प्रदेश में मौसमी सिस्टम के कारण भयंकर तूफान और आंधी के साथ ओले और बारिश ने कोहराम मचा रखा है। शनिवार को राजगढ़ जिले से लेकर राजस्थान के पड़ोसी जिले झालावाड़ तक ओलों ने कहर बरपा दिया। नीबू से बड़े आकार के लोगों से गरीब के घर उजड़ गए। खेतों में फसलें चौपट हो गईं मौसम ने अपना रौद्र रूप दिखाया है। मौसम विभाग ने सोमवार को भी प्रदेश के 20 जिलों में बारिश और तूफान का अलर्ट दिया है।

7 अप्रैल से नया सिस्टम होगा सक्रिय

मौसम विभाग के अनुसार मध्यप्रदेश के मौसम में एक बार फिर बड़े बदलाव के संकेत मिल रहे हैं। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, वर्तमान में सक्रिय कई मौसम प्रणालियों के चलते प्रदेश के पूर्वी हिस्सों में बादलों का डेरा रहेगा, वहीं 7 अप्रैल से एक नया पश्चिमी विक्षोभ उत्तर-पश्चिम भारत में दस्तक देने वाला है, जिसका असर पूरे प्रदेश पर पड़ेगा।

मध्यप्रदेश पर क्या होगा असर?

नए मौसमी सिस्टम से पूर्वी मध्यप्रदेश जिसमें शहडोल, मंडला, बालाघाट, अनूपपुर शामिल हैं। इन जिलों में बंगाल की खाड़ी से आ रही नमी के कारण आंशिक बादल छाए रहेंगे। शाम या रात के समय गरज-चमक के साथ हल्की बारिश या बूंदबूंदी होने की संभावना है। पश्चिमी एवं उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र जिसमें इंदौर, उज्जैन, भोपाल, ग्वालियर शामिल हैं यहां मौसम मुख्य रूप से शुष्क रहेगा। हालांकि, हल्के बादल आ-जा सकते हैं, लेकिन गर्मी से विशेष राहत की उम्मीद फिलहाल कम है। हवाओं की रफ्तार की बात करें तो प्रदेश के कुछ हिस्सों में 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं।

7 अप्रैल 2026 से एक नया और शक्तिशाली पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने का रहा है। इसके प्रभाव से पूरे मध्यप्रदेश में मौसम बदल सकता है, जिससे आंधी, बादल और बारिश की गतिविधियों में तेजी आने के संकेत हैं मौसम विभाग के अनुसार मध्य प्रदेश के 14 जिलों में जोरदार ओलावृष्टि हुई है। सबसे ज्यादा ओले बैतूल और मुलताई में गिरे हैं। राजगढ़ जिले में पूरे इलाके में सबसे बड़े ओले गिरे हैं। यहां नीबू से बड़े 200 ग्राम तक के ओले आसमान से गिरे। वहीं मंडसौर, श्योपुरकला, शिवपुरी, ग्वालियर, भिंड, मुँना, दतिया, छतरपुर, सागर, विदिशा, रायसेन, राजगढ़, बैतूल, नरसिंहपुर जिले सहित अन्य इलाकों में ओलावृष्टि हुई है।

जिला कलेक्टर आंधी, बारिश और ओलावृष्टि से हुए नुकसान का त्वरित कराएं आकलन: मुख्यमंत्री

किसान भाइयों को तत्काल उपलब्ध कराई जाएगी सहायता और राहत



भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश के विभिन्न जिलों में हुई आंधी, बारिश और ओलावृष्टि के संबंध में कहा है कि किसान भाई चिंता न करें, संकट की इस घड़ी में राज्य सरकार किसानों के साथ है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जिला कलेक्टरों को मौसम के असमय बदलाव से हुए नुकसान का त्वरित आकलन करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के प्रभावित क्षेत्रों में

हुई हानि के लिए तत्काल सहायता और राहत उपलब्ध कराई जाएगी। उल्लेखनीय है कि गत दिवस ग्वालियर-चंबल संभाग के विभिन्न जिलों तथा राजगढ़, रायसेन, बैतूल आदि जिलों में आंधी, बारिश और ओलावृष्टि से प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। वहीं मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समतल भवन (मुख्यमंत्री निवास) में गेहूं उपाजर्ज की तैयारियों के साथ खाद्य विभाग की समीक्षा की।

भारत का समय, पृथ्वी का समय

बाबा विश्वनाथ को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने समर्पित की वैदिक घड़ी



वाराणसी। मप्र के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उग्र के सोमय योगी आदित्यनाथ को विक्रमादित्य वैदिक घड़ी भेंट की, जिसे बाबा विश्वनाथ के मंदिर प्रांगण में स्थापित किया गया। कालगणना के केन्द्र महाकाल की नगरी उज्जैन में विक्रमादित्य वैदिक घड़ी के स्थापना के बाद यह भारतवर्ष में ज्योतिर्लिंगों में विक्रमादित्य वैदिक घड़ी की दूसरी स्थापना है। उज्जैन में पहली विक्रमादित्य वैदिक घड़ी का लोकार्पण प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2024 में किया था। इस घड़ी को वैदिक काल गणना के समस्त घटकों को समवेत कर बनाया गया है। यह घड़ी सूर्योदय से परिचालित है। अतः सूर्योदय पर जो सूर्योदय का समय होगा उस स्थान की काल गणना तदनुसार होगी। स्टैंडर्ड टाइम भी उसी से जुड़ा रहेगा। इस घड़ी के माध्यम से

वैदिक समय, लोकेशन, भारतीय स्टैंडर्ड टाइम, भारतीय पंचांग, विक्रम सम्वत् मास, ग्रहस्थिति, भद्रास्थिति, चंद्र स्थिति आदि की जानकारी समाहित है। मुख्यमंत्री के संस्कृति सलाहकार डॉ. श्रीराम तिवारी ने बताया कि भारत ने विश्व को सूर्य और प्रकृति के अनुरुप समय-निर्धारण का अद्वितीय दृष्टिकोण प्रदान किया है। वाराणसी के बाद अब आगामी समय में राम मंदिर सहित अभी ज्योतिर्लिंगों पर भी वैदिक घड़ी की स्थापना की जाएगी। विक्रमादित्य वैदिक घड़ी के माध्यम से प्रतिदिन के सूर्योदय और सूर्यास्त की सटीक गणना के साथ-साथ दिन के 30 मुहूर्तों का विस्तृत और प्रामाणिक विवरण प्राप्त होगा। विक्रमादित्य वैदिक घड़ी आधुनिकता और परंपरा के समन्वय की एक सशक्त प्रतीक है। यह न केवल वैज्ञानिक दृष्टिकोण को

प्रोत्साहित करती है, बल्कि युवाओं को अपनी समृद्ध संस्कृति और विरासत से जुड़े रहने की प्रेरणा भी देती है। मध्यप्रदेश शासन, संस्कृति विभाग अंतर्गत महाराजा विक्रमादित्य शोषपीठ, उज्जैन द्वारा भारतीय कालगणना पर आधारित विश्व की प्रथम विक्रमादित्य वैदिक घड़ी स्थापित की गई है। यह घड़ी भारत की प्राचीन कालगणना परंपरा को आधुनिक डिजिटल तकनीक के माध्यम से पुनर्स्थापित करने का एक अभिनव प्रयास है। यह घड़ी सूर्य के कोण तथा पर्यवेक्षक की स्थान-विशिष्ट भौगोलिक स्थिति को सम्मिलित कर समय का निर्धारण करती है। जिस स्थान पर सूर्योदय का समय होता है, उसी के अनुसार उस स्थान का वैदिक समय प्रदर्शित किया जाता है।

भाजपा कार्यकर्ता राष्ट्र सर्वोपरि की भावना के साथ कार्य कर रहे हैं: अजय जामवाल

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के क्षेत्रीय संगठन महामंत्री श्री अजय जामवाल ने रविवार को पं. दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान-2026 के अंतर्गत देवास जिले की देवास विधानसभा के पांचों मंडलों के प्रशिक्षण वर्ग के शुभारंभ सत्र को संयुक्त रूप से संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि एक विचार आधारित संगठन है। भाजपा का मूल उद्देश्य राष्ट्र सेवा और समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास को पहुंचाना है। भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानते हुए कार्य करता है और यही उसकी सबसे बड़ी पहचान है।

सशक्त कार्यकर्ता ही सशक्त संगठन की नींव

भाजपा के क्षेत्रीय संगठन महामंत्री श्री अजय जामवाल ने कहा कि भाजपा की पंच निष्ठाएँ कार्यकर्ता के चरित्र और उसके कार्य की दिशा तय करती हैं। कार्यकर्ता के मन में राष्ट्रसर्वोपरि की भावना होना अनिवार्य है, यही राष्ट्र निष्ठा का मूल है। पार्टी की विचारधारा के प्रति अटूट विश्वास रखना विचार निष्ठा का आधार है। संगठन के निर्णयों और अनुशासन का पूर्ण पालन करना संगठन निष्ठा को सुदृढ़ करता है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता के व्यक्तिगत जीवन में शुचिता, ईमानदारी और नैतिकता का होना आवश्यक है, जो उसकी आचरण निष्ठा को दर्शाता है। समाज के अंतिम व्यक्ति के अंतिम व्यक्ति की सेवा के लिए सदैव तत्पर रहना सेवा निष्ठा का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि ये पंच निष्ठाएँ ही एक साधारण कार्यकर्ता को आदर्श कार्यकर्ता में परिवर्तित करती हैं और संगठन की मजबूती का आधार बनती हैं।

की कामना की। भाजपा के क्षेत्रीय संगठन महामंत्री श्री अजय जामवाल ने कहा कि भाजपा का कार्यकर्ता केवल चुनाव के समय ही सक्रिय नहीं रहते हैं, बल्कि वह समाज के हर क्षेत्र में सेवा और समर्पण के साथ कार्य करते हैं। सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण की भावना के साथ कार्य करना ही भाजपा की पहचान है। इसी के माध्यम से कार्यकर्ता समाज में विश्वास और विश्वसनीयता स्थापित करता है। पंच निष्ठाएँ जहाँ कार्यकर्ता के व्यक्तित्व और चरित्र का निर्माण करती हैं, वहीं पंच परिवर्तन समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का माध्यम बनते हैं।

के शुभारंभ सत्र को संयुक्त रूप से संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि एक विचार आधारित संगठन है। भाजपा का मूल उद्देश्य राष्ट्र सेवा और समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास को पहुंचाना है। भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानते हुए कार्य करता है और यही उसकी सबसे बड़ी पहचान है। भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानते हुए कार्य करता है और यही उसकी सबसे बड़ी पहचान है। भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानते हुए कार्य करता है और यही उसकी सबसे बड़ी पहचान है। भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानते हुए कार्य करता है और यही उसकी सबसे बड़ी पहचान है।

कोख से बच्ची निकाली और पेट में छोड़ दिया सर्जिकल नैपकिन!

खरगोन में गायनोकॉलोजिस्ट की जानलेवा लापरवाही

खरगोन (नप्र)। जरा सोचिये सीजेरियन प्रसव के दौरान महिला को कोख से बच्ची तो सुरक्षित निकाली ली जाए, लेकिन पेट में सर्जिकल नैपकिन अंदर ही छोड़कर पेट वापस सिल दिया जाए तो क्या होगा? एमपी के खरगोन जिला अस्पताल में गायनिक टीम ने ऐसी ही जानलेवा लापरवाही कर दी। एक महिला की जान खतरे में डाल दी। बेतहाशा दर्द से तड़पती महिला का इंदौर में दोबारा ऑपरेशन कर पेट से नैपकिन निकाली है।



मध्य प्रदेश के खरगोन जिला अस्पताल में सिजेरियन ऑपरेशन के दौरान एक महिला के पेट में कथित रूप से सर्जिकल नैपकिन छूट जाने के मामले में जिला प्रशासन ने जांच के आदेश दिए हैं। जिला कलेक्टर भव्या मित्तल ने बताया कि इंदौर के जिस निजी अस्पताल ने परिवार को नैपकिन छूट जाने के बारे में जानकारी दी है, उससे इस संबंध में लिखित दस्तावेज मांगे गए हैं। मामले की जांच के लिए एक टीम गठित की गई है, जिसे तीन दिन में अपनी रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए गए हैं।

ऑपरेशन से पहले और बाद में सभी उपकरण-सामग्री गिनती का नियम

जिला अस्पताल की सिविल सर्जन डॉ. राजकुमारी देवड़ा के अनुसार, भीकनगांव क्षेत्र के सेल्वा गांव निवासी 30 वर्षीय मनीषा चोरमाड़े को 16 मार्च को प्रसव पीड़ा के चलते भर्ती कराया गया था। 17 मार्च को सिजेरियन ऑपरेशन के जरिए उसने एक बच्ची को जन्म दिया और 21 मार्च को उसे स्वस्थ हालत में छुट्टी दे दी गई। उन्होंने बताया कि प्रोटोकॉल के अनुसार ऑपरेशन से पहले और बाद में सभी उपकरणों और सामग्री की गिनती की जाती है।

निजी अस्पताल पहुंचे तो खुलासा हुआ कि पेट में कुछ है

वहीं, महिला के पति विनोद ने बताया कि डिस्चार्ज के बाद उसकी पत्नी को पेट में तेज दर्द होने लगा। उन्होंने कहा, जब हम उसे दोबारा जिला अस्पताल ले जा रहे थे, तब रास्ते में खरगोन के एक निजी सर्जन को दिखाया, जहां पेट में कुछ जमा होने की आशंका जताई गई और इंदौर जाने की सलाह दी गई। इसके बाद उसे जिला अस्पताल ना ले जाते हुए 30 मार्च को उसे इंदौर के एमटीएच अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां जांच के बाद एमवाय अस्पताल में ऑपरेशन की सलाह दी गई।

ऑपरेशन कर सर्जिकल नैपकिन निकाली गई

उन्होंने आगे बताया कि पत्नी की हालत बिगड़ने पर उस इंदौर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां 31 मार्च को ऑपरेशन के दौरान उसके पेट से सर्जिकल नैपकिन निकाली गई। परिवार ने यह भी बताया कि निजी अस्पतालों में इलाज के चलते उन्हें काफी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा। इसी बीच, कलेक्टर भव्या मित्तल ने शनिवार को जिला अस्पताल का औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

कही-सुनी

रवि भोई

(लेखक पत्रिका समवेत सृजन के प्रबंध संपादक और स्वतंत्र पत्रकार हैं।)



माना जा रहा है कि छत्तीसगढ़ में 2028 का विधानसभा चुनाव नए परिसीमन के आधार पर होगा। अभी नई जनगणना होनी है और 2027 तक जनगणना का काम पूरा होगा, पर अंतिम आंकड़े आने में समय लगेगा। संकेत है कि 2011 की जनगणना के आधार पर विधानसभा सीटों का निर्धारण होगा। छत्तीसगढ़ में अभी 90 विधानसभा सीटें हैं। कहा जा परिसीमन के बाद सीटें 135 तक पहुँच जाएगी। चर्चा है कि केंद्र सरकार 16 अप्रैल से दो-तीन दिन का संसद सत्र बुलवाकर इस बारे में फैसला लेने वाली है, इसके बाद स्थिति साफ होगी। कहा जा रहा है कि 2028 के विधानसभा चुनाव से पहले परिसीमन की खबरों ने राजनीतिक दलों के नेताओं, मंत्री-विधायकों के दिलों की धड़कन बढ़ा दी है।

सुबोध सिंह मिड करियर ट्रेनिंग में जाएंगे

कहते हैं मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध सिंह 6 से 24 अप्रैल तक मिड करियर ट्रेनिंग के लिए मसूरी जाने वाले हैं। आमतौर पर 25 साल की सेवा के बाद मिड करियर ट्रेनिंग के लिए आईएएस अफसर लालबहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी मसूरी जाते हैं। कहा जा रहा है कि 1997 बैच के आईएएस सुबोध सिंह के मिड करियर ट्रेनिंग प्रोग्राम से लौटने के बाद ही आईएएस अफसरों के तबादले होंगे। उम्मीद की जा रही है कि मंत्रालय और जिला स्तर पर आईएएस अफसरों के तबादले में सुबोध सिंह के दूसरे हफ्ते में होंगे, तब तक पांच राज्यों की चुनाव ड्यूटी में गए आईएएस अफसर भी लौट कर आ जाएंगे। माना जा रहा है कि अबकी प्रशासनिक

क्या छत्तीसगढ़ में 2028 का चुनाव नए परिसीमन के साथ होगा?

फेरबदल में मंत्रालय स्तर पर व्यापक बदलाव होंगे। कई सचिवों के प्रभार इधर से उधर होंगे। दो साल से अधिक समय से एक ही जिले में पदस्थ कलेक्टर भी प्रभावित हो सकते हैं।

मक्सी कुजूर बनेंगे इरिगेशन ईएनसी

कहते हैं मंत्रालय में जल संसाधन विभाग के ओएसडी मक्सी कुजूर विभाग के प्रभारी ईएनसी होंगे। मक्सी कुजूर संविदा पर चल रहे ईएनसी इंद्रजीत उडके का स्थान लेंगे। वरिष्ठा सूची में मक्सी कुजूर से ऊपर महानदी रीवर प्रोजेक्ट के चीफ इंजीनियर शंकर ठाकुर हैं, पर शंकर ठाकुर दो महीने बाद रिटायर हो जाएंगे। इस कारण मक्सी कुजूर दौड़ में आगे चल रहे हैं। चीफ इंजीनियर मक्सी कुजूर करीब तीन साल तक ईएनसी रहेंगे। वैसे मक्सी कुजूर चर्चित अफसर हैं और कई मामलों में उलझ चुके हैं, पर विभाग में वरिष्ठ अफसरों की कमी का लाभ मक्सी कुजूर को मिलता दिख रहा है। बताते हैं मक्सी कुजूर जल संसाधन विभाग के सचिव राजेश टोपों की पसंद हैं। मक्सी कुजूर की जगह मंत्रालय में जल संसाधन विभाग का ओएसडी आलोक अग्रवाल को बनाए जाने की खबर है। बताते हैं पोस्टिंग से पहले ही आलोक अग्रवाल का विरोध भी शुरू हो गया है। आलोक अग्रवाल का जल संसाधन विभाग के अधिकारी और ठेकेदार विरोध कर रहे हैं। सुना जा रहा है कि ईओडब्ल्यू की जाँच के चलते आलोक अग्रवाल का प्रमोशन लटका है। वे अभी कार्यपालन अभियंता ही हैं, जबकि उनसे कनिष्ठ अधीक्षण अभियंता प्रमोटे हो गए हैं। आलोक अग्रवाल को डॉ रमन सिंह के राज में ईओडब्ल्यू द्वारा दबोचा गया था और भूपेश बघेल के राज में उनकी वापसी हो गई। विभाग के ठेकेदार और अफसर आलोक अग्रवाल को प्रोजेक्ट में पचवड़ फसाने वाले मानते हैं। हवा है कि मक्सी कुजूर और आलोक अग्रवाल दोनों ही

एक ही ठेकेदार के शिकार हुए थे और अब दोनों नए मुकाम की दौड़ में हैं।

चुनाव और आफिस ड्यूटी साथ-साथ

कहते हैं पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, असम, केरल और पाँडिचेरी चुनाव ड्यूटी में गए कुछ अफसर चुनाव आव्रवर के साथ आन लाइन फाइलें भी निपटा रहे हैं। बताते हैं सरकार ने अफसरों के छुट्टी या दूसरी ड्यूटी पर जाने की स्थिति में विभागीय कामकाज के निपटारे के लिए लिंक ऑफिसर की व्यवस्था की है, पर चुनाव ड्यूटी पर गए कुछ अफसर फाइलें आन लाइन ही बुलवा रहे हैं। लिंक ऑफिसर को फाइलें नहीं जा रही हैं। छत्तीसगढ़ सरकार में ई फाइल सिस्टम के चलते विभाग से मोह पालने वाले अफसरों के लिए यह सुअवसर बन गया है। चर्चा है कि राज्य से बाहर रहते कुछ अफसर न जाते-जाते वित्तीय वर्ष की फाइल धड़ले से निपटाईं। बताते हैं फाइलें उनकी नजर से गुजरने से हिसाब-किताब का अंदाजा भी रहा। दूसरे राज्य में रहते विभाग की फाइलें आन लाइन निपटाने को क्या माना जाय, इसे मातहत समझ नहीं पा रहे हैं। साहब राजा सरकार की ड्यूटी पर हैं या फिर चुनाव आयोग की ड्यूटी पर। आमतौर पर माना जाता है कि चुनाव ड्यूटी में लगे अफसर चुनाव आयोग के अधीन रहते हैं। इस बार राज्य में नया ट्रेड सुनने को मिला।

प्रभारी एसपी का बदला जाना चर्चा में

जांजगीर-चांपा जिले के एसपी विजय पांडे के ट्रेनिंग में जाने के कारण डीजीपी के आदेश पर दो अप्रैल को छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल 11 वीं वाहिनी जांजगीर-चांपा के सेनानी बिमल कुमार बैस को पहले प्रभारी एसपी बनाया गया था, पर उसी दिन आदेश बदल कर श्री बैस की जगह छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल छठवीं वाहिनी रायगढ़ की

सेनानी निवेदिता पाल को जांजगीर-चांपा का प्रभारी एसपी बना दिया। अब डीजीपी साहब ने आदेश क्यों बदला चर्चा का विषय है। श्री बैस आईपीएस हैं और निवेदिता पाल अभी राज्य पुलिस सेवा की अफसर हैं। जांजगीर-चांपा जिले के एसपी विजय पांडे के अलावा रायपुर ग्रामीण की एसपी श्रेता श्रीवास्तव, कोंडागांव के एसपी पंकज चंद्रा और गरियाबंद के एसपी वेदव्रत सिरमौर 06 अप्रैल से 15 मई तक प्रशिक्षण के लिए सदावर वल्लभ भाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी हैदराबाद जा रहे हैं। छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल 20 वीं वाहिनी महसमुंद की सेनानी मनीषा ठाकुर रावटे रायपुर ग्रामीण की प्रभारी एसपी होंगी। एसटीएफ बचेरा जिला-दुर्ग के एसपी त्रिलोक बंसल को कोंडागांव की जिम्मेदारी दी गई है। गरियाबंद की जिम्मेदारी नीरज चंद्राकर संभालेंगे। नीरज चंद्राकर अभी पुलिस मुख्यालय में पुलिस अधीक्षक एसआईए हैं।

जल्दी मिल सकता है पर्यावरण मंडल को अध्यक्ष

कहते हैं छत्तीसगढ़ पर्यावरण मंडल के अध्यक्ष पद के लिए एक वरिष्ठ आईएफएस का नाम चल रहा है। उम्मीद की जा रही है कि जल्दी ही छत्तीसगढ़ पर्यावरण मंडल को नया अध्यक्ष मिल जाएगा। अभी पर्यावरण सचिव के नाते अंकित आनंद छत्तीसगढ़ पर्यावरण मंडल के अध्यक्ष हैं। छत्तीसगढ़ पर्यावरण मंडल में अब तक पर्यावरण सचिव को ही अध्यक्ष बनाए जाने की परंपरा रही है। अब देखते हैं यह परंपरा बदलती है या फिर चलती रहती है। पर्यावरण मंडल के अध्यक्ष की नियुक्ति में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के साथ पर्यावरण मंत्री ओपी चौधरी की पसंद मायने रखेगा। राज्य में छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल महत्वपूर्ण संस्था है।

बैठक के साथ पूजा-पाठ भी

राज्य के प्रभारी डीजीपी अरुणदेव गौतम अपने सरगुजा-जशपुर दौरों में पुलिस अफसरों की बैठक लेकर कानून व्यवस्था की समीक्षा के साथ अंबिकापुर में महामाया की पूजा-अर्चना भी की। प्रभारी डीजी के रूप में एक साल से अधिक का समय गुजार चुके गौतम साहब स्थायी डीजीपी बनने की दौड़ में हैं। यूपीएससी के पैन्ल में नाम आने के बाद भी अरुणदेव गौतम को स्थायी डीजीपी बनने का मौका अब तक नहीं मिला है। राज्य में अब तक स्थायी डीजीपी नहीं बनाए जाने के मुद्दे पर अब यूपीएससी में पूछताछ की है, तो शायद फिर गौतम साहब की आस जगी है। अरुणदेव गौतम जुलाई 2027 में रिटायर होंगे, ऐसे में अभी उनका कार्यकाल एक साल से ज्यादा बचा है, पर स्थायी डीजीपी बन जाते हैं तो दो साल के पहले पद से नहीं हटाए जा सकेंगे।

शशि सिंह की अलग धारा

कहते हैं सूरजपुर जिला का कांग्रेस अध्यक्ष शशि सिंह अलग लाइन खींचने में लगी हुई हैं। बताते हैं जिला कार्यकारिणी से टी एस सिंहदेव के कुछ समर्थकों के इस्तीफे बाद शशि सिंह ने धारा बदल दी है। 2024 के लोकसभा चुनाव में सरगुजा से कांग्रेस की प्रत्याशी रही शशि सिंह को पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का समर्थक माना जाता है। शशि सिंह के सपथ समारोह में भूपेश बघेल की मौजूदगी और टी एस सिंहदेव की गैर हजिरी चर्चा में रही। माना जा रहा है कि न चाहते हुए भी सिंहदेव साहब शशि सिंह का विरोध नहीं कर पा रहे हैं। एक तो शशि सिंह टीम राहुल से जुड़ी है। शशि सिंह के तेवर को देखकर लोग अंदाजा लगा रहे हैं कि अब पूरे सरगुजा संभाग में टी एस सिंहदेव का दबदबा रहा नहीं।